दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-56
मुरादाबाद
16 June 2024
(Sunday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

इटली में प्रधानमंत्री मोदी और मेलोनी की सेल्फी, एक- 26 यात्रियों को लेकर जा रहा

दूसरे को किया नमस्ते; बाइडन और पोप को लगाया गले

जी7 शिखर सम्मेलन के %आउटरीच नेशन% सत्र में दुनिया भर के नेताओं ने एक साथ फोटो खिंचवाई। जी7 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने सभी देशों के साथ कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की सेल्फी और नमस्ते सबसे ज्यादा चर्चा में रहा।प्रधानमंत्री मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इंसियो लूला दा सिल्वा, तुर्की

के राष्ट्रपति रजब तैयब इरदुगान और यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की।

इस दौरान पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति को गले लगा लिया। इटली में ज7 शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री किशिदा से मुलाकात की। पीएम मोदी ने कहा कि शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए भारत और जापान के बीच मजबूत संबंध महत्वपूर्ण हैं।

हम बुनियादी ढांचे और सांस्कृतिक संबंधों को भी औरआगे बढ़ाना चाहते हैं।जी-7 सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्रीय के सचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी के साथ एक दूसरे का अभिवादन स्वीकार किया।जी 7 के मौके पर पीएम मोदी ने पोप फ्रांसिस से मुलाकात की। इस मौके पर पीएम मोदी ने लोगों की सेवा करने के लिए पोप की तारीफ की। साथ ही पोप को भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

इटली में प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषिसुनक से मुलाकात की। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिटेन के पीएम मे मिलकर खुशी हुई। मैंने भारत-ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता दोहराई है। दोनों देशों के बीच सेमीकंडक्टर, प्रौद्योगिकी और व्यापार जैसे क्षेत्रों में संबंधों को गहरा करने की काफी गुंजाइश है।जी-7 के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक-दूसरे को गले लगाया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडन से मिलना हमेशा सुखद होता है। भारत और अमेरिका वैश्विक भलाई के लिए एक साथ मिलकर काम करेंगे। जी-7 के दौरान पीएम मोदी ने जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला बिन अल हुसैन से मुलाकात की। इसको लेकर पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'जी7 शिखर सम्मेलन के मौके पर जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला बिन अल हुसैन से मुलाकात हुई। भारत जॉर्डन के साथ हमेशा मजबूत संबंधों को महत्व देता है।'वैश्विक नेताओं से मुलाकात करते हुए पीएम मोदी ने आज इटली की प्रधानमंत्री और जी7 शिखर सम्मेलन की मेजबान जार्जिया मेलोनी से मुलाकात की। खास बात यह है कि इटली की पीएम ने भारतीय अंदाज में नमस्ते करके पीएम मोदी का स्वागत किया।

टेंपो ट्रैवलर अलकनंदा में गिरा, नौ की मौत, 12 का रेस्क्यू

रुद्रप्रयाग जिले के पास एक टेंपो ट्रैवलर अलकनंदा में गिरा गया। वाहन में 26 यात्री सवार बताए जा रहे हैं। हादसे में नौ यात्रियों की मौत हो गई। 12 का रेस्क्यू किया गया है।उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले से बड़े हादसे की खबर सामने आई है। यहां एक टेंपो ट्रैवलर अलकनंदा नदी में जा गिरा। हादसे में नौ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। जबकि 12 को रेस्क्यू किया गया। कई लोगों की हालत गंभीर है। कुछ लोगों को बचाने के लिए अभियान चल रहा है।बताया जा रहा है कि दिल्ली नोएडा से निकले टेंपो ट्रैवलर में 26 यात्री सवार थे। छह हेलिकॉप्टर से सात घायलों को ऋषिकेश एम्स एयरलिफ्ट किया गया है। जानकारी के अनुसार रुद्रप्रयाग शहर से पांच किलोमीटर आगे बदरीनाथ हाईवे पर रैतोली के पास एक टेंपो ट्रैवलर अलकनंदा नदी में गिर गया।सूचना पर पुलिस प्रशासन जिला आपदा प्रबंधन, डीडीआरएफ समेत अन्य टीम मौके पर रेस्क्यू कार्य कर रही है। बताया जा रहा है कि यहां रेलवे लाइन पर काम कर रहे तीन लोग बचाने के लिए कूदे, जिनमें से एक की मौत हो गई। सीएम धामी ने हादसे पर जताया दुख- हादसे के खबर पर दुख जताते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि टेंपो ट्रैवलर के दुर्घटनाग्रस्त होने का अत्यंत पीड़ादायक समाचार प्राप्त हुआ।

स्थानीय प्रशासन व एसडीआरएफ की टीमें राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हुई है। घायलों को नज़दीकी चिकित्सा केंद्र पर उपचार के लिए भेज दिया गया है। जिलाधिकारी को घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगतों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह असीम कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें। बाबा केदार से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जताया दुख- उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में हुई सड़क दुर्घटना पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दुख जताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि मेरी संवेदनाएं इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के साथ हैं। स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमें राहत व बचाव कार्य में जुटी हैं और घायलों को हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।पूर्व सीएम हरीश रावत ने की शोक संवेदना व्यक्त- रुद्रप्रयाग घटना पर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि मृतकों की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना करता हूं और जो घायल हैं उनके स्वास्थ्य के लिए कामना करता हूं। उनको बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाए राज्य सरकार से याचना करता हूं। इस समय पर्वतीय क्षेत्रों में दुर्घटनाएं बढ़ गई हैं। इस पर चिंता करने की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

नीट में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग, सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं में की गई ये अपील

सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर नीट-यूजी परीक्षा रद्द करने और कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की गई है। साथ ही परीक्षा को रद्द कर नए सिरे से परीक्षा आयोजित करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर नीट-यूजी 2024 परीक्षा रद्द करने और 5 मई को आयोजित परीक्षा में कथित अनियमितताओं की सीबीआई या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी द्वारा शीर्ष अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई है। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए 20 छात्रों द्वारा दायर याचिका में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) को नए सिरे से परीक्षा आयोजित करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।सुप्रीम कोर्ट ने मांगा था जवाब- राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातक)-2024 को लेकर शिकायतों को उठाने वाली अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, शीर्ष अदालत (Supreme Court on NEET 2024) ने शुक्रवार को परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक और अन्य अनियमितताओं के आरोपों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग वाली याचिका पर केंद्र और एनटीए से जवाब मांगा था।

नई याचिका में हुई ये मांग

नई याचिका में कहा गया है कि व्यापक अनियमितताओं और धोखाधड़ी की प्रथाओं को देखते हुए, दोबारा परीक्षा लेने से केवल योग्य छात्रों को मेडिकल संस्थानों में प्रवेश पाने में मदद मिलेगी।

राजनाथ सिंह बोले- हिंद महासागर में नहीं चलने देंगे किसी की भी मनमानी, मत्स्य न्याय स्वीकार नहीं

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद महासागर में किसी की भी मनमानी नहीं चलने देंगे। चीन का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि मत्स्य न्याय स्वीकार नहीं किया जा सकता है। जिसमें बड़ी मछली छोटी मछली को खा जाती है। राजनाथ आईएनएस जलाश्व का दौरा करने पहुंचे थे।चीन का नाम लिए बिना रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में हमें मत्स्य न्याय स्वीकार नहीं, जहां बड़ी मछली छोटी मछली को खा जाती है। उन्होंने यहां पूर्वी नौसेना कमान की तैयारियों की समीक्षा के लिए समय यह बात कही। दूसरी बार रक्षा मंत्री आईएनएस जलाश्व का दौरा करते यात्रा थी।रक्षा मंत्री ने कहा, 'भारत हिंद बनने के बाद राजनाथ की यह पहली के साथ मिलकर काम करेगा और सर्वजन महासागर क्षेत्र में अपने मित्र राष्ट्रों साथ आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार हितायसर्वजन सुखाय की भावना के और मजबूत करने होगा। वह हिंद महासागर का ध्यान भारत की समुद्री सुरक्षा को उपस्थिति को और अधिक प्रभावी और क्षेत्र में अपनी नौसैनिक शक्ति की भारत हिंद महासागर क्षेत्र को मत्स्य न्याय मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करेगी कि हिंद महासागर क्षेत्र क्षेत्र नहीं बनने देगा। भारतीय नौसेना में कोई भी राष्ट्र अपनी आर्थिक क्षमता और सैन्य ताकत के बल पर किसी दूसरे राष्ट्र की संप्रभुता या रणनीतिक स्वायत्तता को दबा या कुचल न सके।संप्रभुता के लिए समुद्री मजबूती जरूरी राजनाथ ने कहा कि देश का हित उसकी समुद्री सुरक्षा से बहुत करीब से जुड़ा है। मजबूत समुद्री सुरक्षा देश की संप्रभुता की ताकत है। भारतीय नौसेना की बढ़ती ताकत समुद्री सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। सुरक्षा के साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र से देश का व्यापक हित जुड़ा है। इस क्षेत्र के जरिये व्यापक पैमाने पर व्यापार होता है। इससे हमारे व्यावसायिक हित जुड़े हैं। भारत इस क्षेत्र में होने वाली मत्स्य पालन और खनन संबंधी गतिविधियों में एक बड़ा हितधारक है। ऐसे में भारतीय नौसेना समुद्री सीमा को सुरक्षित करने के साथ हमारे व्यापक राष्ट्रीय हितों को साधने का भी एक माध्यम है। पूर्वी कमान आने की वजह समझाई- पद ग्रहण करने के बाद अपनी पहली पूर्वी कमान की यात्रा पर उन्होंने कहा कि उनकी पहली यात्रा में हमेशा एक संदेश होता है। कहा, पिछली बार मैं सियाचिन गया था। यह सरकार की देश की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता जताने का तरीका है। इस यात्रा से यह पता चला कि हमारा पूरा ध्यान उत्तरी सीमा की सुरक्षा पर है। हमने अपने पिछले कार्यकाल में ऐसा किया भी, चाहे वह बुनियादी ढांचों का विकास हो, सड़क से जोड़ना हो या शांति और स्थिरता सुनिश्चित करना हो, हमारी सरकार ने इन सभी क्षेत्रों पर ध्यान दिया। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि सरकार ने हिंद महासागर क्षेत्र पर ध्यान नहीं दिया। समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने पर अधिक ध्यान- राजनाथ ने कहा, पिछले कार्यकाल में हमने हिंद महासागर क्षेत्र पर ध्यान दिया था। लेकिन इस कार्यकाल में पूर्वी कमान की पहली यात्रा के जरिये हम अपने बहादुर नौसैनिकों को बताना चाहता हैं कि सरकार का पूरा ध्यान भारतीय समुद्री सुरक्षा को और अधिक मजबूत करना है। इस क्षेत्र में भारतीय नौसेना की उपस्थिति और ताकत को और मजबूत बनाना है।

जल संकट पर AAP की बैठक: आतिशी बोलीं- हमने हरियाणा से पानी देने की अपील की, चंडीगढ़ में अधिकारी करेंगे बातचीत

आतिशी ने कहा कि दिल्ली के कई इलाकों में पानी की कमी बरकरार है। दिल्ली में पानी की सप्लाई में लगातार कमी बनी हुई है। हिमाचल के मुख्यमंत्री से भी बात हुई है। उन्होंने कहा की जो संभव होगा वो मदद करेंगे। हमने हरियाणा से कहा की थोड़ा पानी अगर वो दे सकते हैं तो बेहतर होगा।

कल दिल्ली के सरकार के अधिकारी चंडीगढ़ जाकर इस मुद्दे पर बात करेंगे।दिल्ली में पानी का संकट गहराता जा रहा है। कई इलाकों में दिल्लीवासियों को पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है। इसे देखते हुए दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने आपातकालीन बैठक बुलाई। बैठक में दिल्ली में पानी की समस्या को लेकर समीक्षा की गई। इसमें दिल्ली जलबोर्ड के बड़े अधिकारी शामिल थे। आतिशी ने कहा कि दिल्ली के कई इलाकों में पानी की कमी बरकरार है। दिल्ली में पानी की सप्लाई में लगातार कमी बनी हुई है। वजीराबाद तालाब में पानी खत्म हो गया है। मुनक नहर में भी पानी की कमी चल रही है। पानी की कमी के चलते वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में भी पानी का कम प्रोडक्शन हो रहा है। दिल्ली में करीब 70 एमजीडी पानी का उत्पादन कम हो रहा है। बवाना, नांगलोई में बोरवेल के जरिए पानी की सप्लाई की जा रही है। टैंकर की ट्रिप्स बढ़ाई गई है। 10 एमजीडी पानी टैंकर के जरिए मुहैया कराया जा रहा है। आने वाले दिनों में टैंकर की संख्या बढ़ाई जाएगी। यमुना अपर बोर्ड की बैठक में कोई समाधान नहीं निकला है। आतिशी ने आगे कहा कि हिमाचल के मुख्यमंत्री से भी बात हुई है। उन्होंने कहा की जो संभव होगा वो मदद करेंगे। अभी कुछ डॉक्यूमेंट अपर यमुना बोर्ड को हिमाचल ने देने है। हमने हरियाणा से कहा की थोड़ा पानी अगर वो दे सकते हैं तो बेहतर होगा। कल दिल्ली के सरकार के अधिकारी चंडीगढ़ जाकर इस मुद्दे पर बात करेंगे।

संपादकीय Editorial

Terrorist attacks in Jammu

It is pointless to link the sudden increase in terrorist attacks in Jammu region of Kashmir to the swearing-in of the Modi government, but pilgrims were attacked in Reasi area, in which 9 people were killed and many were injured. After that terrorist attacks were carried out in Kathua and Doda. Of course the terrorists of Kathua were killed, but a CRPF jawan was also 'martyred'. In Doda, on the night of Tuesday, 11 June, a joint post of Assam Rifles and Special Police Officer was also attacked, in which 6 jawans were injured. According to Anand Jain, Additional Director General of Police of Jammu region, Pakistan wants to disturb the religious pilgrimages by spoiling the atmosphere of Jammu. Jammu-Kashmir Assembly elections are to be held in the coming months, so terrorists are infiltrating. There is an unauthorized route going towards Pakistan, which the terrorists are using and are escaping the clutches of our military force. Even now 3-4 terrorists are roaming in a group near Doda. They will be killed soon. In view of the sudden increase in terrorist attacks, some questions are apt and serious. Has the pro-Pak terrorism shifted from Kashmir valley to Rajouri, Poonch, Doda etc. areas of Jammu? Are the dense forests there the hideouts of terrorists and adequate intelligence information is not being received from there? Are Pakistan, intelligence agency ISI and terrorist groups in panic due to the formation of Modi government for the third time in India? Is Pakistan afraid of any lethal attack from India? Can the Modi government launch any military attack to destroy the terrorist bases? Was more than 50 percent voting done in the Lok Sabha elections because the average Kashmiri has faith in democracy? Are the pro-Pak terrorists angry with the increase in tourism and business, and hence are carrying out attacks as a revenge? Anyway, the answers to these questions will keep coming out on their own. It is a solid fact that in the last one year, about a dozen encounters have taken place in Rajouri-Poonch area, in which more than 25 terrorists were killed, but more than 20 security personnel have also been 'martyred'. This series of martyrdom will continue, because a strong intelligence network to provide information about terrorist activities is being prepared. In Rajouri-Poonch, the infiltrator terrorists have 'local help', which has been identified. However, there are no 'local terrorists' in Jammu. Here the terrorists coming from Pakistan are carrying out attacks. The example of Kathua is that the local people did not even give drinking water to the terrorists and informed the police. As a result, the terrorists were caught and killed. In fact, now terrorist attacks have taken place in those areas, where till a few years ago it was believed that terrorism had almost been wiped out. Here no major terrorist attack was carried out during the last 15-20 years, but in the last few intervals terrorists have started appearing. They are the ones carrying out attacks. Of course, in 2019, amendments were made in the Constitution regarding Jammu and Kashmir, which improved the situation, economic activities related to terrorism were curbed, but the problems still exist. Separatism and divisive thinking still persist in Kashmir. This mentality has not been eradicated because our system has failed to provide the necessary political options. However, today there is no terrorism in Jammu and Kashmir, which used to be there 12-15 years ago. There used to be hundreds of terrorist incidents in a year. Today terrorism is negligible in Kashmir, stone pelters have disappeared, no one listens to the calls of separatist leaders now.

Pak-Naapak: Pakistan's Prime Minister and his ministers are breaking their own rules morning and evening

Call it the irony of Pakistan that while the common people have been banned from using X, the Prime Minister himself and his cabinet members are breaking their own rules by using X morning and evening. The civilian dictatorship is adopting all kinds of tactics to end the freedom of expression. Freedom of speech, a media free from militant and all kinds of censorship, the power to tolerate dissent, suppressing dissent - all these are issues related to freedom of expression, which we are reading and hearing about all over the world. Everywhere the rulers and powerful people are trying to suppress the voice of the media. They allow only those news to be published and broadcast which they like. Countries in South Asia are no different from the rest of the world and this week I would like to draw the attention of Amar Ujala readers to the news that the main parties in Pakistan have come together to ensure that a law is enacted to further suppress the voice of the media. However, the most disappointing news in the news of silencing the Pakistani media has come from the Pakistan People's Party of the late Benazir Bhutto, which has joined the Pakistan Muslim League (Nawaz) Maryam Nawaz government in Punjab province in passing the new controversial Punjab Defamation Bill, 2024, to silence the angry citizens who use social media to express their feelings. In the past, military dictators like General Zia ul Haq had completely banned freedom of expression and even publicly flogged those who protested. Even today, an elderly colleague of mine, Nasir Zaidi, is alive, who tells how the dictator flogged him for daring to write freely. Today, the civilian dictatorship is adopting all kinds of tactics to end the freedom of expression. Not only this, now a dangerous trend of disappearance and murder of journalists is also being seen. Earlier, like dictators around the world, Pakistan's Prime Minister Shahbaz Sharif had banned X in the whole of Pakistan a few months ago. Then people had to install VPN, which helps to unblock the system, so that users can tweet. Some of these VPNs are free, while for some others you have to pay, only then you can access X. But the irony is that while the common people have been banned from using X, the Prime Minister himself and all the members of his cabinet are breaking their own rule by using X morning and evening. This week we all laughed at the fact that despite X being blocked, Prime Minister Shahbaz Sharif and his brother Nawaz Sharif congratulated the Indian Prime Minister on his victory in the general elections by tweeting and Prime Minister Modi also responded by tweeting. Everyone understood this hypocrisy that how the politicians of Pakistan are violating their own law. Now the government of Punjab province has officially issued a gazette notification for the Punjab Defamation Bill, 2024, which is said to be controversial. The new law aims to deal with misinformation on social media platforms such as YouTube, TikTok, X, Facebook and Instagram, allowing defamation suits to be filed against those spreading 'fake news'. Everyone agrees that some of what is posted on social media is hate-filled and unacceptable. But instead of closing those accounts that try to cause harm, you cannot shut down the entire network. The journalist community has strongly opposed this bill. It has been condemned as undemocratic. Strong objections have also been raised by human rights activists for hampering freedom of the press. The English daily The Dawn wrote in the editorial- 'These developments are a reminder that the freedom of expression and speech granted by our Constitution is being clamped down on, which the common citizen has not yet fully understood. The concern here is not that citizens should be allowed to say or consume whatever they want, after all as citizens they are also bound by the law of the land. Rather the fear is that these tactics will be used to target only a select few who disagree with the police and the establishment.' The other shocking news of this week is that the Shahbaz Sharif government is now building an internet firewall, which the authorities have reportedly started implementing secretly, which will allow them to spy on everything that Pakistani users post or view on the internet. This internet firewall is like the Great Firewall, which is used by Chinese authorities to keep an eye on their citizens. This internet firewall will work like the internet police. Reports suggest that the government has started using various technologies to monitor what a user is saying, listening or reading on the internet. There is a view that the possibility of its misuse is very high, so this project should be brought under scrutiny at appropriate forums before it is completed. Pakistan cannot afford to allow dictators to increase control over its people. The continued efforts to stifle freedom of expression must be reined in.Abbas Nasir, editor of the newspaper, said: 'It is notable that any discussion on media these days almost always excludes traditional media, such as dozens of 24-hour TV channels and newspapers, in addition to online news sites. There can only be one reason for this: traditional media is now so subservient to the authorities that it is largely considered their mouthpiece, despite very few honourable exceptions. That's sad if you ask me.' However, based on my experience over several decades, I believe that the Pakistani media will fight back. Even in the past, it has resisted military and civilian dictatorships. We will fight to regain our place, raise our voice and speak the truth.

Water crisis: Politics will not quench Delhi's thirst, government is helpless in front of tanker mafia

Politics is one thing, but the Delhi government, which is unable to curb the tanker mafia, is not able to pay full attention to the treatment and storage of water. Although the people of Delhi, who are facing the brunt of the weather, have to deal with a huge shortage of water every year during the scorching heat. But for the last few days, Delhiites are facing a huge shortage of water. Delhi's Water Minister Atishi has been blaming the Lieutenant Governor of Delhi and sometimes the Haryana government for the water crisis in Delhi, while the Lieutenant Governor is blaming water theft and wastage as the main reason for the water crisis. The Supreme Court has reprimanded the Delhi government for failing to curb the tanker mafia and has also admitted that this is the reason why this problem has taken such a terrible form. Now that Himachal has clearly stated that it does not have 136 cusecs of water to give to Delhi, the apex court has left the decision to give water to Delhi to the Upper River Yamuna Board, saying that it does not have the technical expertise to resolve the complex issue of water sharing. The question is also that when Haryana is giving full water to Delhi, why is Delhi facing water shortage. Why are the people of Delhi yearning for water, why are they bent on fighting? In reality, this process has been going on since the AAP government came into existence in Delhi. Delhi should get a total of 1,050 cusecs of water from Haryana. From May 1 to 22, 719 cusecs of water was released in the Carrier Line Canal (CLC) of Haryana Munak Canal and 350 cusecs of water was released in Delhi Sub Branch (DSB) Canal. Two to three days before the voting, it was reduced to 91 cusecs. As far as the repair and maintenance of Munak canal is concerned, it is absolutely wrong to blame the Delhi government for it, because the responsibility of repair and maintenance of the canal lies with the irrigation department of the Haryana government. In reality, water is brought to Bawana from Munak canal. If water is stolen before Bawana, then the Haryana government is responsible for it. This is about whether water comes or not from other states. The level of Wazirabad reservoir falling five feet below normal due to less water is a sign of danger. Talking about the water ATMs installed at various places in Delhi for the people, about which exaggerated claims were being made to quench the thirst of the people in the scorching heat, the reality is that they are lying defunct. As far as water treatment plants are concerned, at present nine water treatment plants are working beyond their capacity. A new plant will be ready in Dwarka by December. But, the real problem is the demand and availability of water. The demand for water in Delhi is 1,296 MGD to 1,300 MGD, while the supply is only 998.8 to 1,000 MGD. Naturally, there is always a shortage of 300 MGD of water. In view of the water crisis, there was a plan to install a total of 587 tube wells. In the first phase, some of these were installed, which are providing 19 MGD of water, while in the second phase, an amount of Rs 1,800 crore was required for 2,590 tube wells, which has not been approved yet. Moreover, the capacity of the Delhi government's water board is only to treat 90 crore gallons of water. The reality is that the Delhi government itself is not able to pay full attention to the treatment and storage of water. In such a situation, how the Delhi government will be able to fulfill the water needs of the people of Delhi is beyond comprehension. Whereas the Supreme Court has directed the Delhi government to present a plan to stop the wastage of water. In such a situation, when the leakage and bursting of 40-50 year old pipelines is a daily affair and wastage of thousands of gallons of water is a routine affair, then without improving these, how will the people of Delhi get rid of the water crisis in the coming days, it is beyond comprehension. After Himachal's refusal and the Supreme Court's order to approach the Upper River Yamuna Board, it remains to be seen what steps the Delhi government will take for water now.

हाथ में कड़ा देख पत्नी ने की थी अजय के शव की पहचान, मृतक के मोबाइल में दफन कई राज

मुरादाबाद- मंडी चौक साहू स्ट्रीट में मेसर्स फूल कुमार-रमेश कुमार एंड संस (अलंकार ज्वेलर्स) के कारोबारी अलंकार अग्रवाल के नौकर अजय कुमार हत्याकांड में अभी कई राज का पर्दाफाश होना बाकी है। अजय ने सोना किसे बेचा है, ये पुलिस को नहीं पता है। गोल्ड बेचने को उसने किसे कॉल की थी, ये अभी राज है। इसके अलावा मोबाइल मिले तो सार्वजनिक हो कि अजय और अनमोल अलंकार ज्वेलर्स को ठगने की योजना कब से बना रहे थे। योजना को साकार करने के लिए अजय ने किस-किस से फोन पर क्या-क्या बातें की हैं। पुलिस की एक टीम अजय के मोबाइल की तलाश में लगी है।पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने मृतक के मोबाइल को ऑन कर गाजियाबाद-दिल्ली के बीच मैट्रो स्टेशन के पास झाड़ियों में फेंका था। इसकी लोकेशन भी ट्रेस हुई थी लेकिन, अब वह फोन बंद जा रहा है। दिक्कत आ रही है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही मृतक अजय का मोबाइल बरामद होगा और फिर सभी संदेह कटघर थानाध्यक्ष तेजवीर सिंह के मुताबिक, मुख्य आरोपी अनमोल मृतक अजय से मुरादाबाद में आकर अनमोल और अजय अलंकार ज्वेलर्स के यहां से मोटी रकम मिलने के इंतजार में थे। 11.30 तक आरोपी ने कर हत्या- एसएसपी हेमराज मीना का कहना है कि मृतक अजय चार जून की सुबह करीब 8.40 बजे अलंकार रुपये व गोल्ड लेकर निकला था। इसके बाद सुबह के 9.30 बजे के दौरान उसका मोबाइल डबल फाटक पर बंद नहटौर में एक बार उसके मोबाइल की लोकेशन ट्रेस हुई थी। शायद इसने गोल्ड खरीदने वाले को फोन करने को किया हो, उसके बाद फिर बंद हो गया था। एसएसपी ने बताया कि इस तरह आरोपियों ने अजय को उसी दिन बजे मार दिया था। इस तरह हुई अजय के शव की पहचान-कटघर थानाध्यक्ष तेजवीर सिंह के मुताबिक, के शव की शिनाख्त कराई थी। उसके बताने पर ही उसे उत्तराखंड में लैंसडाउन थाना क्षेत्र के जंगल में ले जाया गया था। अजय का शव अधजला था। लेकिन, वह अपने हाथ में जो कड़ा पहने था वह नहीं जला, जिसे देखकर उसकी पत्नी ने शव अजय का ही होने की पहचान की थी। कार में मृतक का ड्राइविंग लाइसेंस मिला था। अनमोल के अन्य दोनों साथियों ने घटना का विधिवत खुलासा किया है। सीसीटीवी फुटेज व ज्वेलर्स से मिले थे अहम बिंदु- थानाध्यक्ष ने बताया कि अलंकार अग्रवाल ने नौकर के लापता होने की जब थाने पर सूचना दी थी तभी से पुलिस पड़ताल में लग गई थी। रुपये व गोल्ड लेकर जब अजय दिल्ली के लिए निकला तो पुलिस उसी जगह से सीसीटीवी फुटेज खंगालनी शुरू कर दी थी। जिसमें वह पहचान में आया और उसने रास्ता भी बदला था। सीसीटीवी फुटेज व अलंकार अग्रवाल से पूछताछ में भी कई ऐसे बिंदु मिले, जिनके उत्तर ने उन्हें मुख्य अभियुक्त अनमोल तक पहुंचाया। दूसरे, अजय के मोबाइल की लोकेशन बिजनौर के नहटौर में मिली थी। फिर पुलिस अनमोल की तलाश में जुट गई थी। मुख्य आरोपी अनमोल के गिरफ्त में आते ही सारे राज खुल गए थे।

अजय हत्याकांड : मृतक के मोबाइल में दफन कई राज, अजय के फोन की तलाश में सक्रिय है पुलिस टीम

फैक्टरी में विवाद के बाद दोनों की नौकरी गई, आरोपी ने दी थी धमकी.. फिर कर दिया कत्ल

मुरादाबाद-पाकबड़ा इलाके में पबजी खेलने के विवाद के बाद एक युवक की हत्या कर दी गई। उसके परिजनों ने पुलिस ने बताया कि दोनों के बीच कुछ समय पहले एक फैक्टरी में काम करने के दौरान नोकझोंक हुई थी। इसके बाद आरोपी ने सुरेंद्र की हत्या कर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हासमपुर गोपाल गांव

खेलने के विवाद में सुरेंद्र की बताया जाता है कि सुरेंद्र और के बीच चार माह पहले था। इस विवाद की वजह से नौकरी से निकाल दिया दोनों के बीच रंजिश चल रही निवासी सुरेंद्र सिंह के भाई में मोबाइल पर पबजी हत्या कर दी गई। मुख्य आरोपी योगराज फैक्टरी में विवाद हुआ मालिक ने दोनों को था।इसके बाद से थी। हाशमपुर गोपाल धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि सुरेंद्र सिंह और योगराज सिंह दोनों एक ही फैक्टरी में काम करते थे। यहां दोनों के बीच चार माह पहले भी झगड़ा हो हुआ था। तब फैक्टरी मालिक ने दोनों को फैक्टरी से निकाल दिया था। घर लौटने के बाद भी योगराज ने सुरेंद्र से झगड़ा किया था। आरोपी ने उसे देख लेने की धमकी दी थी। तब कुछ लोगों ने बीच में पड़कर समझौता करा दिया था। बृहस्पतिवार को आरोपी ने मौका पाकर अपने साथियों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी थी। सिर में चोट लगने से हुई मृत्यु- पुलिस ने शुक्रवार को सुरेंद्र के शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला है कि सुरेंद्र के सिर पर चोटों के कई निशान थे। इसके अलावा उसके सिर में चोट लगने के कारण उसकी मृत्यु हुई थी। आरोपियों की तलाश में पुलिस ने दी दबिश- पाकबड़ा थाने की पुलिस ने आरोपियों की तलाश में उनके घर दबिश दी लेकिन वह घटना के बाद ही फरार हो गए थे। इसके अलावा आरोपियों की रिश्तेदारियों में पुलिस ने दबिश दी है लेकिन अब तक सफलता नहीं मिल पाई है। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि आरोपियों की तलाश में टीमें लगी है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। थाने में लाश रखकर किया हंगामा- हासमपुर गोपाल गांव में बृहस्पतिवार दोपहर मोबाइल पर पबजी खेलने के विवाद में एक युवक पर डंडे से हमला कर दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शुक्रवार दोपहर शव लेकर परिजन थाने पहुंच गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा किया। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हासमपुर गोपाल गांव निवासी सुरेंद्र सिंह(22) अपने गांव के बाहर हासमपुर चौराहे पर गांव निवासी योगराज सिंह के साथ बैठा हुआ मोबाइल पर पबजी खेल रहा था। पबजी खेलते हुए सुरेंद्र सिंह और योगराज में विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो योगराज सिंह ने सुरेंद्र सिंह पर हमला बोल दिया। योगराज सिंह के साथ गांव निवासी सन्नी, तीर्थ सिंह और भीमा ने आकर उन्होंने सुरेंद्र सिंह को पीटना शुरू कर दिया। लाठी डंडे और सरिया से सुरेंद्र सिंह को इतना पीटा की वह लहूलुहान हो गया। सुरेंद्र के शरीर पर कई स्थानों से खून बहने लगा था। आसपास के लोगों ने उसे जैसे तैसे इन हमलावरों से बचाया और मामले की जानकारी सुरेंद्र के परिजनों को दी। घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजन शव लेकर पाकबड़ा थाने पहुंच गए। उन्होंने हंगामा किया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। थाना प्रभारी ने परिजनों को आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी करने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर चले गए। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि केस दर्ज लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगी हैं।

पीड़ित पक्ष का आरोप अगवानपुर के पूर्व सभासद ने की छेड़खानी विरोध करने पर की मारपीट महिला पर डाला तेजाब

क्यूँ न लिखूँ सच
सिकंदर अली

उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब पीड़ित पक्ष ने छेड़खानी का विरोध किया आरोप लगाते हुए बताया गया है कि पूर्व सभासद मोनू महिला के साथ छेड़खानी की थी इतना ही नहीं जब हमने इस बात का विरोध किया तो दबंग पूर्व सांसद ने आपने साथियों ने मिलकर पीड़ित पक्ष के साथ जमकर मारपीट कर डाली इतना ही नहीं दबंगों ने प्रीति नाम की महिला के हाथ पर तेज़ाब डालकर उसको जलाने का प्रयास किया वही इस बात का जब पीड़ित पक्ष ने विरोध किया तो मोनू, राजेंद्र ,प्रिंस, और सचिन नाम के दबंग लोगों ने उल्टा ही पीड़ित पक्ष के साथ मारपीट कर डाली वहीं इस मारपीट में सुमित अतुल रोहित और देवेंद्र और महेंद्र नाम के व्यक्ति के मारपीट में घायल हो गए

वहीं जब इस मामले की सूचना सिविल लाइंस पुलिस को दी तो पुलिस ने उनकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर दिया लेकिन घटना में शामिल आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बाद नाराज परिजनों ने सिविल लाइंस थाने पर पहुंचकर हंगामा करना शुरू कर दिया वही पीड़ित पक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि सिविल लाइंस पुलिस को आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए नहीं तो हम इस थाने के सामने आत्महत्या कर लेंगे जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी

संक्षिप्त समाचार

रोहित पर फायर करने वाला बंटी सैनी पुलिस मुठभेड़ में घायल, पैर में लगी गोली

मुरादाबाद- कटघर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को रोहित और फायर करने वाला बंटी सैनी पुलिस की मुठभेड़ में घायल हुआ है। मुठभेड़ कल्याणपुर रोड पर हुई है। बंटी के पैर में गोली लगी है।एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि शुक्रवार को बसंत विहार में रहने वाले रोहित को जान से मारने की नीयत से बंटी ने उस पर गोली चलाई थी। इस घटना में रोहित घायल हुआ था। इस मामले में कटघर थाने में मामला भी दर्ज किया गया था।पुलिस उसे गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही थी, तभी रात में कल्याणपुर रोड पर उसकी पुलिस से मुठभेड़ हो गई। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी है। यह कटघर थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर भी है। मुठभेड़ में घायल हुए हिस्ट्रीशीटर को इलाज के लिए पुलिस जिला अस्पताल में लेकर आई है।

इंस्टाग्राम पर युवक से हो गई दोस्ती, किशोरी को ले गया साथ, अब परिजनों ने कह दी बड़ी बात

मुरादाबाद-मुरादाबाद की रहने वाली किशोरी घर से अचानक गायब हो गई। परिजनों ने बताया कि उसकी सोशल मीडिया के माध्यम से एक युवक से दोस्ती हुई थी। किशोरी घर से नकदी और जेवर भी अपने साथ ले गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।मुरादाबाद की रहने वाली किशोरी घर से अचानक गायब हो गई। परिजनों ने बताया कि उसकी सोशल मीडिया के माध्यम से एक युवक से दोस्ती हुई थी। किशोरी घर से नकदी और जेवर भी अपने साथ ले गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।मझोला थाना क्षेत्र रहने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पत्नी घरों में चौका बर्तन करती है। 12 जून की सुबह करीब आठ बजे वह मजदूरी करने चला गया था। पत्नी भी लोगों के घरों में काम करने गई थी।उस वक्त घर में 15 वर्षीय बेटी अकेली थी। किशोरी ने इंस्टाग्राम पर आईडी बना रखी है। इंस्टाग्राम के जरिए उसकी दोस्ती कृष्णा नाम के युवक से हो गई थी। आरोप लगाया कि आरोपी कृष्णा उसकी किशोरी को बहलाफुसला कर अपने साथ अगवा कर ले गया। जाते समय किशोरी घर से दस हजार रुपये की नकदी, चांदी की पाजेब और एक मोबाइल फोन भी ले गई है। मझोला केके वर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी कृष्णा के खिलाफ बहलाफुसला कर अगवा करने का केस दर्ज किया गया है। पत्र भेजकर साहूकार से मांगी 10 लाख रुपये की रंगदारी- सिविल लाइंस क्षेत्र में रहने वाले साहूकार को पत्र भेजकर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई है। आरोप है कि रकम न देने पर आरोपी ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है।सिविल लाइंस दयानंद कॉलेज के पीछे प्रेम गली के पास रहने वाले नरेंद्र चंद्र अग्रवाल साहूकार हैं। उनके बेटे अधिवक्ता हैं। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पास डाक के जरिए एक पत्र आया है। जिसमें आरोपी ने 10 लाख रुपये की मांग की है।आरोपी ने धमकी दी है अगर उसके बताए पते पर दस लाख रुपये नहीं भेजे तो पूरे परिवार को जान से मार दूंगा। पीड़िता कहना है कि इससे पहले भी आरोपी उन्हें धमकी भरे पत्र भेज चुका है। पत्र पाकबड़ा निवासी रेहान अहमद के नाम से भेजे गए हैं। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महानगर के मास्टर प्लान पर मुख्यमंत्री जल्द लगाएंगे मुहर

मुरादाबाद- महानगर के विकास के लिए मुरादाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार किया गया मास्टर प्लान 2031 जल्द ही शासन से पास होने वाला है। एमडीए उपाध्यक्ष शैलेष कुमार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष मास्टर प्लान 2031 को पेश कर दिया है। इस मास्टर प्लान से मुख्यमंत्री पूरी तरह संतुष्ट भी हुए हैं। मुरादाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा जनपद के विकास के लिए प्रति 10 वर्ष में मास्टर प्लान तैयार किया जाता है। जिसके

तहत मास्टर प्लान 2031 तैयार करके छह माह पहले शासन को भेजा गया था। लेकिन, बीच में चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण मास्टर प्लान लटक गया था। छह दिन पहले ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों ने एमडीए उपाध्यक्ष को मुख्यमंत्री के सामने मास्टर प्लान के प्रजेंटेशन की तैयारी को कहा था और मुख्यमंत्री के सामने प्रजेंटेशन को भी कहा था। जिसके तहत गुरुवार को एमडीए उपाध्यक्ष शैलेष कुमार ने प्रजेंटेशन किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इसका प्रजेंटेशन हुआ। एमडीए उपाध्यक्ष शैलेष कुमार ने बताया कि मास्टर प्लान के प्रजेंटेशन से मुख्यमंत्री पूरी तरह संतुष्ट नजर आए। उन्होंने अधिकारियों को इसी माह मास्टर प्लान पास करने के निर्देश भी दिए हैं। एमडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि अब मास्टर प्लान की सभी बाधाएं दूर हो गई हैं। उम्मीद जताई कि नया मास्टर अगले 10 से 15 दिन में पास होकर आ सकता है। इसके बाद नए मास्टर प्लान की उम्मीद में पिछले दो-तीन साल से रुके विकास कार्य भी तेजी से शुरू कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्राधिकरण अधिकारियों को जारी किए निर्देश- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सीमा विस्तार में शामिल नए गांवों को महायोजना में आबादी के रूप में ही दर्ज करें, ग्रीन बेल्ट के रूप में नहीं। नदियों, पोखरों व अन्य जलाशयों पर अतिक्रमण स्वीकार नहीं है, लखनऊ की कुकरेल नदी की तर्ज पर कार्रवाई करें। महायोजना में मेडिसिटी, स्पोर्ट्स सिटी, एजुकेशन सिटी, कन्वेंशन सेंटर के लिए स्पष्ट क्षेत्र चिह्नित होना चाहिए। जनसमस्याओं के निस्तारण में तेजी लाने, नक्शा पास कराने जैसे सामान्य कार्यों में अनावश्यक विलंब न करें। जहां कहीं भी ग्रीन बेल्ट है, वहां किसी भी दशा में नई कॉलोनी न बसने पाए। महायोजना में शामिल नई कॉलोनी के विकास पर ध्यान दें। सड़क, सीवर, बिजली, पानी जैसी सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता हो। महायोजना को अंतिम रूप देते समय यह ध्यान रखें कि यदि कोई धार्मिक स्थान है तो उसे उसी रूप में दर्ज करें। सड़कों का चौड़ीकरण करते समय ड्रेनेज और यूटिलिटी डाक्ट की व्यवस्था बेहतर ढंग से की जाए। नगर में रिंग रोड का विकास कराया जाए।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

शराब के नशे में महिलाओं के साथ मारपीट दोनों तरफ से आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ - गांव दरियापुर में कुछ युवकों द्वारा शराब के नशे में महिलाओं के साथ मारपीट कर देने को लेकर दो पक्ष आमने सामने आगए। दोनों ओर से जमकर मारपीट हो गई। गांव दरियापुर निवासी हरिवेजी पत्नी लक्ष्मण सिंह ने थाने में लिखाई रिपोर्ट में कहा है कि वह अपने घर से खेत पर बने मकान पर जा रही थी। तभी रास्ते में श्रीपाल पुत्र टीकम सिंह, अनिल,कन्हैया, पुष्पेन्द्र व करिश्मा पुत्रगढ श्रीपाल सिह भी रास्ते में थे। कन्हैया व पुष्पेंद्र शराब के नशे में गाली गलौज कर रहे थे। जब उसने मना किया तो उपरोक्त लोगों उन्हें पकड़ लिया और आक्रोशित होते हुए मारपीट करने लगे। मारपीट में उसके मुंह एवं शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। इसी दौरान बीच बचाव में आए गांव के ही योगेंद्र एवं लक्ष्मण को भी दवंगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष से पुष्पेंद्र पुत्र श्रीपाल सिंह ने कहा है कि रात के समय गांव के योगेंद्र, लक्षण व नीटू सिंह घर में लाठी डंडे लेकर घुस आए एवं उनके साथ मारपीट की है। जिससे उसके सिर व पिता के चोटें आई है। मामले दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कारवाई की जा रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नहरों के संचालन के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा की अध्यक्षता में नहर के संचालन एवं नहर संचालन हेतु जारी रोस्टर की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों के माँग के अनुरूप नहरों में सिंचाई हेतु पानी की व्यवस्था मुकम्मल करायी जाए, ताकि किसानों को सिंचाई की कोई दिक्कत न होने पाये। उन्होंने कहा कि किसान देश के अन्नदाता है, उनके खेतों को सिंचाई के लिए समय से पानी मिलेगा तो निश्चित ही उनके खेतो में पैदावार बढेगी। इससे किसान लाभान्वित होगे और उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार आयेगा। बैठक के दौरान अवगत कराया गया कि लगभग 34 माइनरों में रोस्टर के अनुसार पानी पहुंचाया जा रहा है।
जिससे कि जनपद के किसानों को फसलों की सिंचाई हेतु समय से पानी मुहैया कराया जा रहा है। बैठक का संचालन अधिशासी अभियंता सरयू नहर खण्ड-6 विकास शिरोमणि सिंह ने किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह, अधिशासी अभियंता सरयू नहर खण्ड-प्रथम नानपारा हर्ष कुमार, अधिशासी अभियंता सरयू नहर खण्ड-नानपारा मलखान सिंह, अधिशासी अभियंता सरयू नहर खण्ड-5 बहराइच दिनेश कुमार, चित्तोड़गढ़ बांध निर्माण खण्ड बलरामपुर अखिलेष कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता सरयू नहर खण्ड-प्रथम बलरामपुर मो0 परवेज सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आईपीएस अधिकारी की सख्त कार्रवाई से मची पुलिस विभाग में खलबली; रिश्वत मांगने वाला दारोगा सस्पेंड

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ - अलीगढ़ हरदुआगंज क्षेत्र के साधू आश्रम हल्का इंचार्ज ताहिर हुसैन को एसएसपी संजीव सुमन ने निलंबित कर दिया है। एक प्रकरण में दो पक्षों के बीच फैसला होने के बावजूद दारोगा ने 20 हजार रुपये की मांग की थी। तीन हजार रुपये ले लिए थे। इसके बाद 17 हजार रुपये के लिए दबाव बना रहे थे। शुक्रवार को रिश्वत लेते हुए उनका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था।जब वादी पक्ष समझौते की कॉपी लेकर दारोगा ताहिर के पास गए तो उन्होंने 20 हजार रुपये की मांग की। न देने पर कॉपी लेने से इनकार कर दिया। दो जून की दोपहर करीब दो बजे दारोगा तालानगरी में संजय की फैक्ट्री पर आए, जहां दोनों पक्ष के लोग थे। इन्होंने समझौते की कॉपी के साथ दो हजार रुपए रखकर देने चाहे, लेकिन दरोगा नहीं माने।

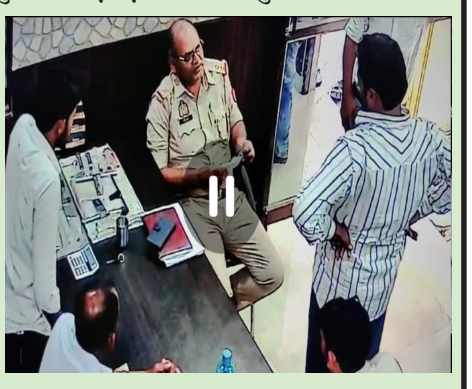

दबंगों ने परिवार को पीटा, पुलिस से की अभद्रता

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ -अलीगढ़ के थाना सासनीगेट इलाके में दबंगों ने दो भाइयों को घर से खींचकर लाठी डंडों और पिस्टल की बट मारकर लहूलुहान कर दिया। आरोप है कि दबंगों ने कई राउंड फायरिंग भी। घटना से इलाके में खलबली मच गई। बेटे को बचाने आई मां पर भी दबंगों ने असलहा की बट से हमला किया। महिला का आरोप है कि पुलिस ने कार्यवाही करने के बजाय उनको ही बन्द कर दिया। आरोप ये भी हैं कि दबंगों ने पुलिसकर्मियों से भी अभद्रता की। मामले में एक मुकदमा पीड़ित व दूसरा पुलिस की तरफ से दर्ज किया है। घटना की पुष्टि सीओ प्रथम अभय पांडेय ने की है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवा दिया।

दो एसओ को किया लाइन हाजिर, खनन व जनता से दुर्व्यवहार बना कारण

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ -अलीगढ़ आचार संहिता हटते ही एसएसपी ने उन थाना प्रभारियों पर गाज गिराना शुरू कर दिया है, जिनकी शिकायतें लगातार मिल रही थीं। चेतावनी के बाद भी वे आदतों से बाज नहीं आ रहे थे। इसी क्रम में आचार संहिता के बाद पहली क्राइम मीटिंग में हरदुआगंज व अकराबाद के थाना प्रभारी लाइन हाजिर कर दिए गए। अकराबाद एसओ पर खनन नहीं रोक पाने और एसओ हरदुआगंज पर जनता से दुर्व्यवहार का आरोप था। बैठक में छेरत पुलिस लाइन में पुलिस म्यूजियम बनाना तय किया गया है। पुलिस लाइन सभागार में हुई अपराध समीक्षा बैठक में एसएसपी संजीव सुमन ने सख्त रुख दिखाया। जनता से जुड़ी शिकायतों पर बातचीत शुरू करते हुए खनन से जुड़ी शिकायतों पर एसओ अकराबाद रिषीपाल सिंह कसाना को और दुर्व्यवहार की शिकायतों पर एसओ हरदुआगंज रवि चंद्रवाल को लाइन हाजिर कर दिया।एसएसपी ने साफ किया कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ सहन नहीं होगा। अराजक तत्वों पर कार्रवाई से कोई किसी को नहीं रोकेगा। इसमें लापरवाही भी सहन नहीं होगी। इस दौरान विवेचना निस्तारण, पर्यवेक्षण, महिला अपराध, पुलिस अनुशासन, गश्त, अतिक्रमण, गंभीर अपराधों में कार्रवाई, वांछितों की गिरफ्तारी, सजा कराने में ठोस पैरवी, कैमरे लगवाने, और बकरीद में बेहतर प्रबंधन करने पर जोर दिया गया। अंत में छेरत लाइन में पुलिस म्यूजियम बनवाना तय किया। इस मौके पर एसपी देहात पलाश बंसल, एसपी सिटी, मृगांक शेखर पाठक, एसपी ट्रैफिक मुकेश चंद्र उत्तम आदि तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

उल्टहवा पुल के पास सड़क धसी पीडब्ल्यूडी विभाग बना अनजान

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- विकासखंड जमुनहा के अंतर्गत जमुनहा से बहराइच मार्ग पर उल्टहवा पुल के पास सड़क टूट कर धस गई है और गड्ढे में तब्दील हो गई है कभी भी छोटे बड़े वाहन दुर्घटना का शिकार हो सकते है लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग इससे अनजान बना हुआ है सड़क को बनाने का नाम नहीं ले रहा है राज्य मार्ग होने के कारण इस रास्ते पर छोटे बड़े वाहन का आवागमन रहता है क्षेत्र के लोगों ने जिला अधिकारी श्रावस्ती से सड़क बनवाने की मांग की है।

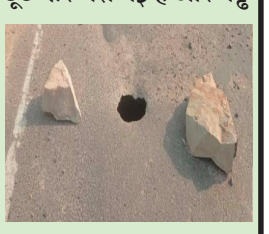

विंध्या हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर रीवा द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा। विश्व रक्त दान दिवस के रूप में मनाया जाता है इसी क्रम में विंध्य हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर रीवा द्वारा विंध्य ब्लड बैंक के साथ उनके सहयोग से आज विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया रक्तदान के महत्व के संबंध में डॉ बी पी मिश्रा एवं डॉक्टर दिनकर दुबे एमडी मेडिसिन द्वारा चिकित्सकीय कर्मचारियों एवं समाज के नव युवकों युवतियों को अपने संदेश के जरिए विस्तार से बताया * कि रक्तदान कर हम किसी को गंभीर मरीज के जीवन की रक्षा कर सकते हैं उनके द्वारा यह भी बताया गया कि रक्तदान करने वाले व्यक्ति को इससे कोई नुकसान नहीं होता बल्कि रक्तदान करने वाला व्यक्ति को आगे आने वाले समय में उच्च रक्त तचप कोलेस्ट्रॉल एवं हार्ट की बीमारियों तथा कैंसर जैसे गंभीर बीमारियों के होने की संभावना कम हो जाती है व्यक्ति खुद को ज्यादा स्वस्थ महसूस करता है साथ ही उसे आत्म संतोष भी प्राप्त होता है रक्तदान से किसी गंभीर रोगी के जीवन रक्षा में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। आयोजित रक्तदान शिविर में 50 से अधिक रक्तदाताओं ने बढ़ चढ़कर रक्तदान में भाग लिया विंध्य अस्पताल और ब्लड बैंक केंद्र द्वारा प्रत्येक रक्तदाता को एक प्रोत्साहन प्रमाण पत्र भी जारी किया गया जिसमें यह सुविधा होगी की जरूरत पड़ने पर रक्तदाता अपने परिजनों एवं रिश्तेदारों को गंभीर मरीज हेतु एक वर्ष के अंदर रक्त की पूर्ति हेतु परेशान नहीं होगा उसे बिना रक्तदान के ही रक्त की उपलब्धता प्रमाण पत्र के आधार पर सुनिश्चित कर दी जाएगी।

एसएसबी मुख्यालय भिनगा में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- रबीन्द्र कुमार राजेश्वरी, कमान्डेंट 62वीं वाहिनी, एस.एस.बी., भिनगा के दिशा निर्देशन एवं निरुपेश कुमार, उप-कमान्डेंट की अध्यक्षता में 62वीं वाहिनी मुख्यालय भिनगा में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को नशे के खतरों के बारे में जागरूक करना और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। कार्यशाला का शुभारंभ निरुपेश कुमार, उप कमान्डेंट द्वारा किया गया द्य उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नशा समाज के लिए एक बड़ी समस्या है और इससे युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहें और स्वस्थ जीवन जिएं। इसके बाद श्री जितेन्द्र मिश्रा, परामर्शदाता नशा मुक्त विशेषज्ञ, जिला चिकित्सालय श्रावस्ती के द्वारा कार्यशाला में उपस्थित जवानों को नशे से सम्बंधित विभिन्न विषयों के बारें में बताया गया, जिनमें नशे के प्रकार, नशे के दुष्प्रभाव, नशे से मुक्ति के तरीके और स्वस्थ जीवनशैली शामिल थे यह कार्यशाला 62वीं वाहिनी, एसएसबी द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वाहिनी युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर केएच. नाबा चन्द्र, सहायक कमान्डेंट, उप निरीक्षक हीरे भाग्य सुभाष, सहायक उप निरीक्षक सोहन सिंह, व वाहिनी के अन्य जवान शामिल रहे।

समाधान दिवस मे एसडीएम ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) आज शनिवार को तहसील सभागार मे सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया इस सम्पूर्ण समाधान की अध्यक्षता एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने की आज विभिन्न विभागो से 41 शिकायती पत्र आये है और एक समस्या का मौके पर निस्तारण किया गया इस समाधान दिवस पर भीषण गर्मी से चलते फरियादी काफी कम आये और जो आये भी वह पीने वाले पानी के लिये परेशान रहे और अपनी प्यास बुझाने के लिए इधर उधर भागते रहे और पानी की वोतले दुकान पर खरीदते दिखे एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने कहा की जो शिकायते आई है उन शिकायतों का समय सीमा के अंडर निस्तारण किया जाए इस अवसर पर सी ओ उमेश कुमार नायाब तहसीलदार जितेंद्र सिंह पटेल एसडीओ अनिरुद्ध कुमार मौर्य ए आर ओ मनोज कुमार तिवारी मंडी से अजीम खां बीडीओ ऑफिस से नरेश चन्द्र दुबे कोतवाली से प्रभारी लोकेंद्र सिंह एट थाने से दरोगा राम निवास कोटरा थाने से दरोगा चन्द्र पाल सिंह कैलिया एस ओ राजीव कुमार बेस सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे शिकायतों को दर्ज करने मे मनीष कुमार मोनू पीएलवी जगपाल सिंह सहित आदि लगे रहे

रंगकर्मियों को जीवन मूल्यों और संस्कारों को भी सिखाने का भी काम करती कार्यशाला - मोहम्मद नईम बॉबी

क्यूँ न लिखूँ सच
पवन कुमार

कोंच(जालौन) भारतीय जन नाट्य संघ इप्टा इकाई कोंच एवं कोंच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के सयुंक्त तत्वाधान में चल रही निशुल्क बाल एवं युवा रंगकर्मी नाट्य कार्यशाला में पूर्ण प्रतिबद्धता, मेहनत व लगन के साथ कार्य शाला में रंगकर्मी प्रशिक्षण लेकर अपनी प्रतिभा को निखारने में लगे हुए है कार्यशाला का शुभारम्भ इप्टा गीत बजा नगाड़ा शांति के साथ हुआ इसके बाद रंग कर्मियों द्वारा तू जिन्दा है तो जिंदगी की जीत पर यकीन कर,अगर कंही है स्वर्ग तो उतार ला जमीन पर जनगीत का अभ्यास किया तत्पश्चात आधुनिक परिवेश में पाश्चात्य संस्कृति से ग्रस्त लोभ लालच के नशे में हिस्सा बाँट के लिए अपने संस्कार सभ्यता को भूल नैतिकता के पतन का चित्रण से झकझोर देने वाले नाटक 卐माँ का बंटवारा卐 की रंगकर्मियों ने रिहसर्ल कर खूब पसीना बहाया। रंग कर्मियों ने नृत्य प्रशिक्षण भी लिया कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए इप्टा के प्रांतीय सचिव एवं इप्टा कोंच के संस्थापक अध्यक्ष डॉ मुहम्मद नईम बॉबी ने कहा कि इप्टा का गौरवशाली इतिहास रहा है कि कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से रंगकर्मियों को जीवन मूल्यों और संस्कारों को भी सिखाने का भी काम किया जाता है सांस्कृतिक प्रदूषण को दूर करने का काम भी इप्टा के कलाकार कर रहे हैं। इप्टा कोंच के अध्यक्ष अनिल कुमार वैद एडवोकेट ने कहा कि बंगाल के अकाल हो या भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम आन्दोलन या आजादी के बाद के समय के जन आन्दोलन, इप्टा के कलाकारों ने स्वतः ही आगे आकर अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन किया है। साम्प्रदायिक सद्भाव को बनाने में भी इप्टा का अहम् योगदान रहा है। नाटक केवल मनोरंजन के लिए नहीं है, बल्कि ये समाज की वास्तविक तस्वीर को जनता के सामने रखते हैं नृत्य प्रशिक्षका मीकू सविता ने कहा कि आज का समय मानवीय संवेदनाओं के सूखकर मरने का समय है। इस मरते समय को केवल कला, साहित्य और संस्कृति ही बचा सकती है। मानवीय सभ्यता को बचाने के लिए राज और समाज को मिलकर आगे आना होगा। संचालन पारसमणि अग्रवाल ने किया जबकि आभार व्यक्त महासचिव साहना खान ने किया

सदर बिधायक ने फीता काटकर किया फन एण्ड फेयर प्रदर्शनी एवं मेला का शुभारम्भएं

क्यूँ न लिखूँ सच
पवन कुमार

कोंच(जालौन) नगर के मध्य स्थित श्री ढड़ेश्वरी मन्दिर प्रांगण मे एक माह के लिए फन एण्ड फेयर प्रदर्शनी एवं मेला का शनिवार को मन्दिर के महंत पूज्य संत सिद्धन महाराज की उपस्थिति में सदर बिधायक गौरी शंकर वर्मा ने फीता काटकर शुभारंभ किया उद्घाटन अवसर पर मेला संचालक संतोष गुप्ता ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का तिलक कर माल्यार्पण किया तथा महंत व विधायक को श्रीराम की स्मृति चिन्ह देकर प्रद र्शनी की सफलता का आशीर्वाद पाया इस अवसर पर महंत सिद्धन महाराज ने प्रदर्शनी की सफलता का आशीर्वाद दिया सदर बिधायक गौरी शंकर वर्मा ने कहा यह हमारे देश की पुरानी परम्परा है जिसे अब नया रूप दिया गया है ! पहले समय में गांव कस्बों में बाजार (हाट) लगते थे जहां लोग अपनी जरूरत के सामान की खरीदारी करते थे आथ वही बजार एक नये रूप में लगने लगे है जिसमें घर ग्रहस्ती की रोजमर्रा की चीजोन के अलावा मनोरंजन के साधन भी उपलब्ध कराए गये हैं खासकर इस तरह की प्रदर्शनी में छोटे बड़े हर तरह के सामान एक ही स्थान पर सस्ते दामों में मिल जाते हैं महिलाएं घर ग्रहस्ती का सामान खरीदती हैं और बच्चों के मनोरंज के लिए भी बिविध प्रकार के झूलों से लेकर मेला संचालक तमाम साधन उपलब्ध कराते हैं ! यह प्रदर्शनी बच्चों की छुट्टियां चल रही हैं तो उनका खूब मनोरंजन यहीं हो जायेगा अभिभावकों को बाहर ले जाने की आवश्यक्ता नहीं पड़ेगी मेला संचालक को संतोष गुप्ता को बधाई देते हैं और प्रदर्शनी की सफल ता के लिये आशीर्वाद देते हैं उक्त अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा जिला मंत्री रविन्द्र भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष अरूण गुप्ता, संतोष गोस्वामी नगर मंत्री, सभासद जय नरायण साहू, सभासल पुष्येन्द्र वर्मा, सभासद दीपक पटेल, विपिन सेठ, दीपक वर्मा, दीपक पटेल, अजय निरंजन, राजेन्द्र शर्मा ,लक्ष्मण दास बावनी, गरिमा पाठक, आकाश द्विवेदी, प्रशांत त्रिवेदी, आशीष धौलिया, विपिन शिवहरे, नीलाभ शुक्ला सोनू महाराज रंजीत महादेव सुशील साहू, लाखन सिंह आदि उपस्थिति रहे प्रदर्शनी व्यवस्थापक गुडडू भाई ने कहा कि मेले में सुरक्षा स्वच्छता और सुव्यवस्था का विशेष प्रबन्ध किए गये हैं! कार्यक्रम में पधारने के लिये पूज्य संत भगवान का और सदर बिधायक गौरीशंकर वर्मा सभी सभासद जनों एवं सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हैं

नशीली कफ सिरफ का अवैध भण्डारण कर विक्रय करने वाले आरोपी को चुरहट पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
अरुण मिश्रा

सीधी - डॉ रविंद्र वर्मा पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविन्द श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिले में हो रहे अवैध मादक प्रदार्थो के परिवहन/ विक्रय के विरूद्ध अभियान चलाकर सीधी के नौजवानो को नशे की गिरफ्त से बाहर लाने के प्रयास में एक और कार्यवाही। मामले का संक्षिप्त विवरण दिनांक 13.06.24 को थाना प्रभारी चुरहट निरी. पुष्पेंद्र मिश्रा को जरिये मुखबिर सूचना मिली की ग्राम सुंदरी का सुन्दरलाल गुप्ता अपने पक्के घर में अवैध कफ सिरफ विक्रय हेतु रखा है। थाना प्रभारी चुरहट द्वारा अविलम्ब वरिष्ठ अधिकारियो को सूचित किया जाकर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक टीम गठित कर मुखविर के बताये स्थान पर भेजा गया जहाँ एक व्यक्ति मिला जिसका नाम पता पूछने पर अपना नाम सुंदरलाल गुप्ता पिता कन्हैयालाल गुप्ता उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम सुंदरी थाना चुरहट का बताया जिसे मुखविर सूचना से अवगत कराया जाकर उसके घर की तलाशी ली गई तो पक्के घर के कोने में एक प्लास्टिक की बोरी में अवैध ग्लूकोड़ कफ सिरफ की 59 नग कीमती लगभग 10,000 रूपये मिली जिसके रखने व विक्रय के संबंध में कागजात की मांग की गयी किन्तु किसी तरह के कोई वैद्य दस्तावेज प्रस्तुत नही किया जिस पर थाना चुरहट द्वारा आरोपी के विरुद्ध ड्रग कंट्रोल अधिनियम 1949 की धारा 5/ 13 एवं एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/22 के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। प्रधान आरक्षक महेन्द्र सिंह, करण तिवारी, आरक्षक उदय तिवारी की सराहनीय भूमिका रही।

अकबरनगर: 165 अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर, विरोध करने आए लोगों को खदेड़ा, बिजली काटी तब निकले लोग

लखनऊ के अकबरनगर में एलडीए की अवैध निर्माणों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी है। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों को विरोध का भी सामना करना पड़ा जिस पर उन्हें बल प्रयोग करना पड़ा।लखनऊ अकबरनगर प्रथम में कार्रवाई के दूसरे दिन एलडीए व जिला प्रशासन की टीम ने 165 अवैध निर्माण जमींदोज किए और शनिवार सुबह फिर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हो गई। इस दौरान कुछ लोग विरोध करने आए तो उन्हें सुरक्षा बलों ने खदेड़ दिया। उधर, शुक्रवार को भी लोग यहां से विस्थापित होते रहे। इन्हें बसंत कुंज योजना के प्रधानमंत्री आवास में शिफ्ट कराया जा रहा है।अकबर नगर प्रथम व द्वितीय में अब तक कुल 614 अवैध निर्माण ध्वस्त किए जा चुके हैं।

इस अभियान में 15 पोकलेन मशीन, 12 जेसीबी और 15 वाटर टैंक लगाए गए हैं। सुबह सात से दोपहर दो बजे तक और फिर तीन बजे से रात आठ बजे तक कार्रवाई चल रही है।शुक्रवार को अकबरनगर के 79 आवंटियों को प्रधानमंत्री आवास का कब्जा दिया गया। एलडीए के संयुक्त सचिव एसपी सिंह ने बताया कि अब तक 971 आवंटियों को कब्जा दिया जा चुका है। इसके अलावा 1800 अध्यासियों को प्रधानमंत्री आवास आवंटित किए गए हैं और सभी लोगों को आवंटन पत्र दिया जा चुका है। शुक्रवार को 42 लोडर वाहनों से लोगों का सामान लादकर आवंटित आवास तक पहुंचाया गया। बिजली कटी, तब खाली किया मकान- अकबरनगर प्रथम में कुछ लोग मकान नहीं खाली कर रहे थे। प्रशासन के कई बार कहने पर भी इन्होंने सामान नहीं निकाला तो इनके मकानों की बिजली काट दी गई। बिजली-पानी की आपूर्ति बंद होने पर सभी मकान खाली करने लगे।

राशन डीलर हत्याकांड: दो आरोपी गिरफ्तार, मृतक के एक्सरे में दिखी सिर में फंसी गोली

पुलिस टीमों ने नामजद आरोपी अंकित मेसी व पवन कुमार को गिरफ्तार किया है। दोनों को न्यायिक अभिरक्षा के लिए भेजा गया है। घटना में वांछित दो अन्य आरोपियों की तलाश में टीमें लगी हुई हैं।कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव धौरपुर के राशन डीलर योगेश उपाध्याय की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। राशन डीलर का शव 13 जून की रात लहूलुहान अवस्था में धौरपुर ओवरब्रिज के नीचे को पड़ा मिला था। पुलिस ने छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मृतक के एक्सरे में सिर में गोली फंसी पाई गई।अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि राशन डीलर योगेश उपाध्याय की गोली मारकर हत्या करने में पुलिस टीमों ने अभियोग में नामजद आरोपी अंकित मेसी व पवन कुमार को गिरफ्तार किया है। दोनों को न्यायिक अभिरक्षा के लिए भेजा गया है। घटना में वांछित दो अन्य आरोपियों की तलाश में टीमें लगी हुई हैं, जल्दी ही गिरफ्तारी कर ली जाएगी। सिर में फंसी थी गोली, एक्सरे से हुआ खुलासा- पोस्टमार्टम के दौरान शव में गोली लगने के अंदेशा को लेकर एक्सरे कराया गया। इसमें गोली सिर में फंसी हुई पाई गई। इसके बाद गोली को सिर से निकाला गया। परिजनों का आरोप है कि हत्यारोपियों ने राशन डीलर के साथ दूसरी बाइक से आ रहे दो लोगों को भी जान से मारने की धमकी दी। यह हुई घटना- गांव धौरपुर निवासी मृतक राशन डीलर योगेश उपाध्याय के भाई उमेश ने बताया कि योगेश 13 जून रात करीब नौ बजे हाथरस से लौट रहा था। रास्ते में उसे पूरन और करीबी रिश्तेदार राकेश भी मिल गए। रास्ते में पहले से घात लगाए आरोपियों ने योगेश को रोककर पीटना शुरू कर दिया और उसे गोली मार दी। आरोपियों ने पूरन और राकेश को भी धमकी दी कि यदि तुमने हमारे नाम की रिपोर्ट दर्ज कराई तो तुम्हारा भी हाल ऐसा हो होगा। पुलिस ने शुक्रवार की दोपहर पोस्टमार्टम कराया। मृतक के भाई की तहरीर के आधार पर पुलिस ने चार नामजदों सहित छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। राशन डीलर की मौत की सूचना पर जिला अस्तपाल में ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई।

पैंटून पुल से गंगा में गिरा ई-रिक्शा, महिला व दो बच्चे बहे, एक युवक ने छलांग लगाकर बचाई जान

पैंटून पुल पर अनियंत्रित ई-रिक्शा पलट कर गंगा में गिर गया। ई-रिक्शा सवार लोग गंगा में बहने लगे। तभी एक युवक ने छलांग लगाकर महिला व बच्चों को बचा लिया।फर्रुखाबाद में गंगा स्नान के बाद लौटते वक्त पैंटून पुल पर अनियंत्रित ई-रिक्शा पलट कर गंगा में गिर गया। उसमें सवार महिला और दो बच्चे गंगा में बह लगे। पीछे आ रहे एक युवक ने छलांग लगाकर महिला और बच्चों को बचा लिया। शहर कोतवाली के मोहल्ला पक्कापुल नाला सिम्तसुमाल निवासी राजाबाबू की बहन मनोरमा कानपुर से परिवार के साथ गंगा स्नान करने आईं थींवह सुबह गंगा स्नान करने के बाद ई-रिक्शा पर सवार होकर पैंटून पुल से पुरानी घटिया की ओर आ रही थीं। पुल पार करने के दौरान ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। ई-रिक्शा गंगा के गहरे पानी में जा गिरा। महिला पुल पर गिर गईं, जबकि दो बच्चे और मनोरमा गंगा में जा गिरे। पीछे से आ रहे युवक विशाल पांडेय ने गंगा में छलांग लगा दी। उसने दोनों बच्चों और महिला को पकड़कर कंधों के सहारे पुल में लगे तार पकड़कर धार में बहने से रोक लिया।विशाल के साथी बंटी और साथी शोरगुल करने लगे। करीब 20 मिनट बाद पहुंचे नाविकों ने महिला और बच्चों को नाव में बैठाकर ऊपर पहुंचाया। युवक की वजह से बच्चों और महिला की जान बच गई। मनोरमा ने बताया कि वह कानपुर से भाई के घर आई थीं। सुबह कार से गंगा घाट पहुंची। दूसरी तरफ खड़ी कार तक पहुंचने के लिए ई-रिक्शा पर सवार हुई थीं। 2100 रुपये लेकर गोताखोरों ने निकाला ई-रिक्शा- गरीब 12 फीट गहरे पानी में समाए ई-रिक्शा को निकालने के लिए गोताखोरों ने 21 सौ रुपये में बात तय की। रुपये लेने के बाद गोताखोरों ने ई-रिक्शा को करीब दो घंटे के प्रयास के बाद बाहर निकाला। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग तमाशबीन बने रहे।

यहां तो गजब हो गया : बस अड्डे से चोरी हुई रोडवेज की बस, विभाग में मची खलबली

जेवर-नकदी चोरी के मामले रोजाना सामने आते हैं, लेकिन लखीमपुर खीरी जिले में चोरी का अजब मामला सामने आया है। मोहम्मदी बस अड्डे पर खड़ी गोला डिपो की बस हो चोरी हो गई। शनिवार को यह बस शाहजहांपुर वर्कशॉप में खड़ी मिली। लखीमपुर खीरी जिले में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। मोहम्मदी के रोडवेज बस अड्डे से शुक्रवार की देर रात लखनऊ के लिए जाने वाली रोडवेज बस को अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया।

इससे विभाग में खलबली मच गई। आनन-फानन बस की तलाश शुरू की। मामले की सूचना रोडवेज इंचार्ज मुख्तार अहमद खां ने पुलिस को दी है।इंचार्ज ने बताया कि गोला डिपो की बस पसगवां-जंगबहादुरगंज होकर लखनऊ के लिए निकलती है। रात में मोहम्मदी रोडवेज के बस स्टैंड पर खड़ी होती है। रोज सुबह यात्री लेकर लखनऊ के लिए रवाना होती है। शुक्रवार की रात गोला डिपो की बस संख्या यूपी 30 टी 9989 पर स्टेशन पर खड़ी थी। जिसे अज्ञात व्यक्ति चला कर ले गया, जो शाहजहांपुर रोडवेज के वर्कशाप के पास खड़ी मिली। रात में गार्ड रामासरे ड्यूटी पर था। बस के एक साइड के शीशे भी टूटे हैं। साइड में खरोंच भी लगी है।बस न देख चालक-परिचालक हैरान - शनिवार सुबह चालक अमित सिंह परिचालक आरिफ खां लखनऊ के लिए बस की तैयारी में आए तो देखा कि रोडवेज पर बस नहीं खड़ी थी। वे हैरान रह गए। इधर-उधर तलाश की गई तो पता नहीं चला, तब पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने खोजबीन की। रोडवेज के सामने मंदिर में लगा सीसीटीवी कैमरे से फुटेज देखी गई तो एक व्यक्ति बस को शाहजहांपुर की और जाते हुए देखा गया। आरोपी को चेहरा पहचान में नहीं आ रहा। वारदात को समय रात एक और दो बजे के बीच बताया गया। सुबह लखनऊ जाने के लिए सवारी आईं, बस न मिलने से परेशान हो गईं। रोडवेज बस स्टैंड के इंचार्ज मुख्तार अहमद खां ने बताया कि पुलिस को तहरीर दे दी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिली है, कार्रवाई की जा रही है।

ओपी राजभर को कैबिनेट मंत्री अनिल ने दी नसीहत, बोले- बयान निराशाजनक है; ये समीक्षा का वक्त

सुभासपा नेता ओम प्रकाश राजभर के बयान का वीडियो काफी वायरल हो रहा है। वहीं कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने ओम प्रकाश को नसीहत दी है। वह शनिवार को वाराणसी आए थे। यहां उन्होंने कहा कि वर्तमान में चुनावी परिणाम के समीक्षा का समय है।ओम प्रकाश राजभर के बयान पर अनिल राजभर ने पलटवार किया है। अनिल ने ओपी राजभर को नसीहत दी है। काह कि उनके बेटे को जो वोट मिला है, वो बीजेपी का वोट है। ओपी से राजभर समाज के लोग क्यों दूर गए। इस पर ओपी राजभर को विचार करना चाहिएकहा कि ओपी राजभर खुद अपनी विधानसभा नहीं बचा सकें। जहूराबाद से निर्दल प्रत्याशी लीलावती राजभर को 45 हजार वोट मिले। एनडीए के प्रत्याशी वहां से 15 हजार वोटों से हर गए। खबर में बने रहने के लिए इस तरह बयान नहीं देना चाहिए।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि ये वक्त ईमानदारी से हार की समीक्षा करने का है। ओपी राजभर को ऐसी भाषा नहीं बोलनी चाहिए, जो विरोधी बोल रहे हैं। आज पूरी दुनिया मोदी जी को बधाई दे रही है। सुभासपा प्रमुख के पुत्र ने वायरल वीडियो का किया खंडन- एक दिन पहले रसड़ा के मीरनगंज स्थित कार्यालय पर हुई सुभासपा की समीक्षा बैठक में पार्टी सुप्रीमो एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की ओर से घोसी लोकसभा चुनाव में मिली हार का ठीकरा मोदी और योगी सरकार पर फोड़ने संबंधी वीडियो के वायरल होने से हड़कंप मचा है। वीडियो वायरल होने के कुछ ही समय बाद ओमप्रकाश राजभर के पुत्र अरुण राजभर ने एक वीडियो जारी कर इस समाचार का खंडन किया। उन्होंने ऐसे किसी बयान को सिरे से खारिज किया। कहा कि ओमप्रकाश राजभर ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है। इस वीडियो को कट-पेस्ट और एडिट करके चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ओमप्रकाश राजभर ने सुभासपा और एनडीए के कार्यकर्ताओं के बल पर सरकार के विकास के एजेंडे को लेकर घोसी में चुनाव लड़ा। जनता ने बहुत ही असीमित प्यार और दुलार दिया। इसीलिए नरेंद्र मोदी देश के तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। कहा कि विरोधियों को ऐसा लग रहा है कि उन्होंने संविधान खत्म होने का ड्रामा किया, आरक्षण खत्म होने का ड्रामा किया, इसके बाद में भी उन्हें कोई लाभ नहीं मिला। इसलिए उनकी ओर से ऐसी साजिश रची जा रही है।

किशोरी को बहला फुसलाकर खेतों में ले जाकर छेडछाड करते हुए खींचे फोटो

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद - कोतवाली के एक गांव निवासी एक महिला ने गांव के ही एक युवक के खिलाफ पुलिस को बेटी के साथ छेड़खानी व उसके फोटो खींचने के आरोप में तहरीर दी है। कहा है कि को उसके गांव का ही एक युवक घर आया और उससे कहा कि आपका सरकारी मकान आया है जिसके लिए अपके व बेटी के आधार कार्ड की जरूरत है। उसने आधार कार्ड की मना करते हुए उसे वापस भेज दिया। जब वह अपनी छोटी बेटी को पास के ही कस्बा गोपी में दवा दिलाने गई थी तो उसके पीछे आरोपित उसके घर आया और घर पर मौजूद दूसरी बेटी एवं बेटा से बोला अधिकारी सरकारी मकान देने के लिए पड़ोस के गांव कनकपुर में आए हैं। आधार कार्ड एवं पासबुक मांग रहे हैं। आधार कार्ड एवं पासबुक के बहाने आरोपित उसकी बेटी को बहलाफुसलाकर नहर की तरफ खेतों में ले गया और नहर के आसपास सुनसान जगह पर बेटी के कपड़े उतरवा कर उसके फोटो खींचे वह उसके साथ अश्लील हरकतें करते हुए छेड़खानी की आरोप है कि बेटी से कहा कि अगर तूने किसी को बताया तो तेरे फोटो लोगों को दिखा दूंगा। आरोपित बेटी को वहीं छोड़कर चला गया। वह किसी तरह रोती हुई घर पहुंची और उन्हें आपबीती बताई। वह बेटी को लेकर थाने आई है।पीड़िता की मां की तहरीर पर आरोपित अजय पुत्र होशियार सिंह जाटव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

राज्य अतिथि गृह के कमरे में पड़ा मिला योग प्रवक्ता का शव, हार्ट अटैक से मौत की आशंका

लखनऊ के हजरतगंज स्थित राज्य अतिथि गृह में योग प्रवक्ता का शव पड़ा मिला है। पुलिस ने हार्ट अटैक से मौत की शंका जताई है। मामले की जांच की जा रही है। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज के मीरा बाई मार्ग स्थित राज्य अतिथि गृह सरयू में ठहरे योग प्रवक्ता गुरु देव का शव शनिवार सुबह कमरे में बिस्तर पर अर्धनग्न अवस्था में पड़ा मिला। पुलिस का मानना है कि उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई है। एसीपी हजरतगंज अरविंद कुमार ने बताया कि दिल्ली के लक्ष्मीनगर निवासी डॉक्टर गुरुदेव (44) दिल्ली स्थित मोरारजी देसाई योग इंस्टीट्यूट में योग प्रवक्ता थे।वह बाजारखाला के टूड़ियागंज स्थित राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज में होने वाले योग कार्यक्रम में बतौर गेस्ट लेक्चरर शामिल होने के लिए शुक्रवार को आए थे। शाम सात बजे उन्होंने राज्य अतिथि गृह सरयू के प्रथम तल पर स्थित कमरा नंबर-23 में चेक इन किया था। शनिवार को उनको कार्यक्रम में शामिल होना था तो कार्यक्रम के आयोजक ने उनको फोन कर संपर्क किया, पर उनका फोन नहीं उठा। कई बार कॉल करने के बाद भी जब कॉल नहीं उठी तो वह लोग गेस्ट हाउस पहुंचे। उन लोगों ने उनके कमरे का दरवाजा खटखटाया पर कोई जवाब नहीं मिला।अनहोनी की आशंका पर पुलिस को सूचना दी गई। इस बीच डॉक्टरों की एक टीम भी मौके पर पहुंच गई। कमरे का दरवाजा तोड़ा गया तो गुरुदेव का अर्द्धनग्न शव बेड पर पड़ा मिला। पैर में मौजा मौजूद था और शरीर पर शर्ट भी थी। पुलिस ने छानबीन के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुला लिया। एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंच कर छानबीन की। पुलिस ने उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी ने बताया कि उनके परिजनों को सूचना दे दी गई। अभी तक की जांच में ऐसा लग रहा है कि उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई। शरीर पर किसी तरह के चोट के कोई निशान भी नहीं थे। बाकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत की सही वजह पता चल सकेगी और उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

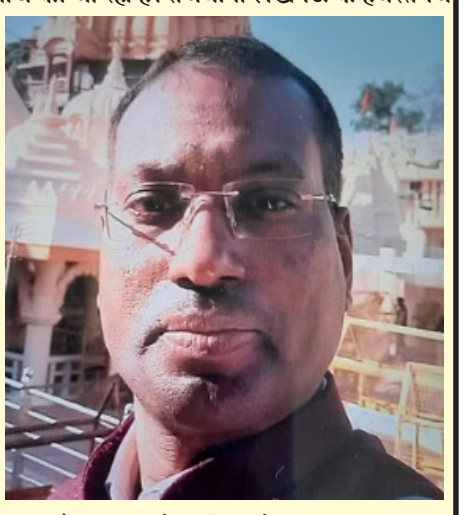

मजिस्ट्रेटी के सामने दुकानों में हो रही चोरी

क्यूँ न लिखूँ सच -अरुण मिश्रा

सीधी। जिला न्यायालय सीधी के उत्तरी गेट के सामने फुटपाथी दुकानदारों की गोमतियों के ताले असमाजिक तत्वों द्वारा तोडक़र चोरियां की जा रही हैं। तत्संबंध में पीड़ित होटल कारोबारी मनमोहन गुप्ता पिता जग्यभान गुप्ता ने बताया कि उसकी दुकान का अभी गुरुवार की दर म्यानी रात अज्ञात बदमाशों द्वारा उनकी दुकान में चोरी की गई। यहां तक कि दुकान के सामने छांव के लिए लगाई गई प्लास्टिक पन्नियां एवं कपड़ों को भी चोर उठा ले गए। एक चोर को पकडक़र लोगों ने कोतवाली पुलिस को सौंप दिया था। जिसके बाद उसकी दुकान के सामने लगी प्लास्टिक पन्नी एवं कपड़े को पुलिस ने वापस करा दिया। समाजवादी पार्टी के वरिष्ट नेता जय सिंह राजू ने बताया कि यहां के फुटपाथी कारोबारियों की दुकानों में अक्सर चोरी की घटनाएं होती हैं। गरीब तबके के यह व्यापारी काफी परेशान हैं। यदि पुलिस द्वारा रात्रिकालीन गस्त इस क्षेत्र में भी बढ़ा दी जाए तो निश्चित ही लगातार हो रही चोरी की घटनाओं में अंकुश लग जाएगा।

60 वें स्थापना दिवस के मौके पर बाबा नीम करोली महाराज के दर्शनों के लिए उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार गुप्ता

नैनीताल। कैंची धाम स्थित बाबा नीम करौली के साठवें स्थापना दिवस के मौके पर शनिवार को मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लग गईं । बाबा के जयकारों के साथ कैंची धाम गुंज उठा और पूरा वातावरण भक्तिमय में हो गया। बाबा नीम करोली महाराज को भोग लगाने के बाद कैंची धाम मंदिर के द्वार खोल दिए गए। भक्तों ने बाबा के दर्शन कर मालपुआ का प्रसाद भी लिया। शुक्रवार शाम से ही भारत के कोने - कोने से भक्त पहुंचने लगे। प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त की गई । मेले में होने वाली भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने ट्रैफिक को भी डायवर्ट कर दिया । मेले में प्रशासन ने भारी संख्या में पुलिस बल लगाया था । ताकि सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी न आए दूर दराज से आए हुए भक्तों को लगातार अनाउंसमेंट कराकर व्यवस्था बनाए रखने के लिए आग्रह किया जा रहा। वैसे तो नीम करोली महाराज के करोड़ों भक्त हैं लेकिन बाबा

के कुछ भक्त ऐसे भी है जिनको पूरे विश्व में जाना जाता है। जैसे की फेसबुक के मालिक मार्क जेकुरबर्क ऐपल कम्पनी के मालिक स्टीव जॉब्स आदि कई महान बिजनेसमैनों से लेकर बॉलीवुड के कई कलाकार से लेकर नेता देश के उपराष्ट्रपति भी बाबा के भक्त हैं । बाबा से जो सच्चे मन से मुराद मांगी जाए ।बाबा सब की मुराद पूरी कर देते हैं। फिलहाल समाचार लिखे जाने तक करीब तीस हजार भक्त दर्शन कर चुके थे। बाबा के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय में था ।प्रशासन की मानें तो एक लाख भक्तों की पहुंचने की सम्भावना है।

नवनिर्वाचित सांसद ने जनता का आभार जताया, हुआ स्वागत सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार गुप्ता

रिठौरा। आदर्श नगर पंचायत रिठौरा,लभेड़ा उर्फ़ बुलंद नगर में शनिवार को प्रथम वार पहुंचे बरेली लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद छत्रपाल गंगवार का जोरदार स्वागत - सम्मान किया गया। पूर्व चेयरमैन राकेश कुमार कश्यप उर्फ आर.के., पूर्व प्रधान लियाकत खां, इमरान खां,सभासद कमलेश गंगवार, पूर्व सभासद पप्पू कश्यप, सभासद वीरपाल कश्यप,सतीश वर्मा, किशन लाल कश्यप,गुड्डू यादव, हरप्रसाद,शिवराज, आदि ने कमल का फूल देकर एवं

मालाएं पहनाकर स्वागत सम्मान किया।इस मौके पर सांसद ने नगर की जनता का आभार जताया उन्होंने कहा यह जीत हमारी नहीं आप सबकी है।हर सुख-दुख में आप सबके साथ खड़ा रहूंगा। जिले भर में विकास की गंगा बहेगी।

RSS का दावा- सत्तारूढ़ दल नहीं था निशाने पर; आरक्षण-संविधान पर फैले भ्रम को दूर नहीं कर पाई भाजपा

संघ के अति विशिष्ट सूत्र ने कहा कि भागवत के जिस बयान को आधार बनाकर भाजपा से मतभेद की बातें प्रचारित की गई, उसमें कोई सच्चाई नहीं है। मणिपुर हिंसा पर भागवत शुरू से चिंता जताते रहे हैं। उन्होंने स्वयं सेवकों से खुद को अहंकार से दूर रहने का आह्वान किया था, जिसे सरकार से जोड़ दिया गया।आम चुनाव के नतीजे के बाद भाजपा से टकराव या मतभेद की खबरों

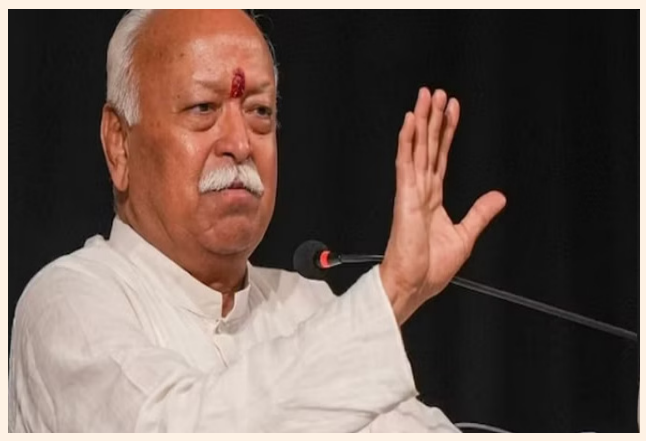

के बीच राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) मामले को संभालने में जुट गया है। संघ ने किसी भी मतभेद को सिरे से खारिज कर दिया है। उसका कहना है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान को गलत संदर्भ में समझा गया। संगठन ने स्पष्ट कहा कि चुनाव के नतीजे के संदर्भ में भाजपा अपना आकलन खुद करेगी और अगर कुछ गलत हुआ है, तो खुद ही इसमें सुधार भी करेगी।संघ के अति विशिष्ट सूत्र ने कहा कि भागवत के जिस बयान को आधार बनाकर भाजपा से मतभेद की बातें प्रचारित की गई, उसमें कोई सच्चाई नहीं है। मणिपुर हिंसा पर भागवत शुरू से चिंता जताते रहे हैं। उन्होंने स्वयं सेवकों से खुद को अहंकार से दूर रहने का आह्वान किया था, जिसे सरकार से जोड़ दिया गया। उक्त सूत्र ने बताया कि भागवत ने 2019 और 2014 के आम चुनाव के बाद भी ऐसी ही बातें कही थी। चूंकि तब दोनों ही समय भाजपा को अपने दम पर बहुमत मिला था, इसलिए इसे दूसरे संदर्भ से नहीं जोड़ा जा सका। आरक्षण-संविधान पर फैले भ्रम को दूर नहीं कर पाए- संघ सूत्र ने माना कि विपक्ष की ओर से संविधान और आरक्षण खत्म करने का फैलाया गया भ्रम भाजपा दूर नहीं कर पाई। ऐसी धारणा बनाने के लिए एआई और सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल किया गया। अब भाजपा इस धारणा को क्यों नहीं तोड़ पाई, इसकी समीक्षा पार्टी को करनी है। नतीजों पर भाजपा खुद लेगी निर्णय- सूत्र ने कहा कि आम चुनाव में क्या सही और क्या गलत हुआ, इसका आकलन करने का काम भाजपा का है। संघ अपने से संबद्ध किसी संगठन की प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करता। हमारी भूमिका सुझाव देने तक सीमित है। इस चुनाव में भी संघ ने अपनी भूमिका निभाई। स्वयंसेवकों के माध्यम से जो फीडबैक आ रहे थे, उससे हमेशा की तरह भाजपा को अवगत कराया। अब यह भाजपा को तय करना है कि ऐसे नतीजे क्यों आए। अगर कुछ कमियां है तो इसे भाजपा को खुद ही दूर करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

के सीएमटी के एनसीसी कैडेट्स ने नुक्कड़ नाटक कर योग के लिए किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप कुमार गुप्ता

रिठौरा। अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह पर के मौके पर शनिवार को खंडेलवाल कॉलेज बरेली, में एनसीसी कैडेट्स के द्वारा नुक्कड़ नाटक किया तथा योग की विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास किया गया, जिसमें चक्रासन, गरुड़ासन,

ताड़ासन, एवं सूर्य नमस्कार की क्रिया प्रमुख थी। कैडेट्स ने महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को भी योग करने के लिए प्रेरित किया, साथ ही यह भी बताया कि योग के माध्यम से हम अपने जीवन को अत्यधिक स्वस्थ और निरोगी बना सकते हैं। योग की विभिन्न क्रियाएं महाविद्यालय के कैडेट ब्यूटी ,हीरा, लीलावती, सिमरन , सरोज , पायल, ममता उपासना द्वारा संपन्न कराई गई 7 यह सभी कार्य 8वीं बालिका वाहिनी के कमान अधिकारी कर्नल समीर विस्ट , महाविद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ विनय खंडेलवाल, प्राचार्य डॉ आर.के. सिंह , राकेश चतुर्वेदी के निर्देशानुसार किया गया, जो कि एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट रचना सिंह, नायक प्रदीप्ता,एन. एस .एस . अधिकारी सविता सक्सेना, के निर्देशन में संपन्न हुआ।

मानक पूरे न मिलने पर 22 निजी अस्पताल संचालकों को जारी

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली।दिल्ली और बागपत के अस्पताल में पिछले दिनों आग लगने की घटना के बाद शासन के निर्देश पर अग्निशमन विभाग द्वारा निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ज्यादातर निजी अस्पताल आग से सुरक्षा व बचाव को लेकर तय मानकों पर खरे नहीं उतर पाएं। अग्निशमन विभाग ने जिले के 22 निजी अस्पताल के संचालकों को नोटिस जारी कर भारतीय राष्ट्रीय भवन संहिता 2016 (एनबीसी) के मानकों के तहत भवन निर्माण करने के निर्देश दिए हैं। पिछले महीने दिल्ली के एक अस्पताल में आग लगने की घटना हुई थी। इसके बाद बागपत के अस्पताल में भी आगजनी की घटना हुई। शासन ने गंभीरता से लेते हुए अग्निशमन विभाग को सभी निजी अस्पताल, पेट्रोल पंप और विवाह मंडप आदि का निरीक्षण कर मानकों के अनुसार भवनों की जांच करने के निर्देश दिए थे। अग्निशमन विभाग शामली ने शासन के निर्देश पर शहर और कस्बों के निजी अस्पतालों का निरीक्षण कर मानकों के आधार पर जांच पड़ताल की। निरीक्षण के दौरान ज्यादातर निजी अस्पताल मानकों पर खरा नहीं उतर पाए। निजी अस्पतालों में आग से सुरक्षा के लिए उपकरण तो उपलब्ध मिले, लेकिन भवनों का निर्माण मानकों के अनुसार नहीं होना पाया गया। मानकों के अनुरूप भवन का निर्माण न पाए जाने पर अग्निशमन विभाग ने जिले के 22 निजी अस्पताल संचालकों को नोटिस जारी किए हैं।अग्निशमन विभाग ने नोटिस में मानकों के अनुसार भवनों का निर्माण कराने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। साथ ही मानकों को पूरा न करने वाले निजी अस्पतालों की सूची मुख्य चिकित्साधिकारी को भी भेजी गई है।

कातिल बाप: सात हजार रुपये के लिए किया बेटी का कत्ल, मां ने धोए खून के दाग; ऐसे खुला हत्या का राज

शाहजहांपुर में एक व्यक्ति ने चंद रुपयों की खातिर अपनी विवाहित बेटी की हत्या कर दी। वारदात को छिपाने में उसकी पत्नी ने भी साथ दिया। लेकिन पुलिस ने 24 घंटे में ही हत्या के राज का पर्दाफाश दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।शाहजहांपुर के चौक कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला भारद्वाजी निवासी पूर्ति गुप्ता (23) की हत्या उसके पिता संजय गुप्ता ने ही की थी। शनिवार को पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा कर दिया। पुलिस के मुताबिक पूर्ति ने संजय की अंगूठी बेच दी थी। खर्चे के बाद बचे हुए रुपये न देने से नाराज होकर पिता ने बेटी की चाकू मारकर हत्या कर दी थी।13 जून की रात करीब साढ़े 11 बजे मायके में रह रही कमल राजपूत की पत्नी पूर्ति गुप्ता की हत्या कर दी गई थी। उसके गले और सीने पर चाकू से प्रहार किए गए थे। चाकू मारकर हत्या किए जाने के बावजूद घरवालों को हत्यारे के बारे में जानकारी न होने पर पुलिस को शक गहरा गया था।मृतका की मां ने किया

गुमराह करने का प्रयास पुलिस का पहला शक उसके भाई पवन पर गया। घटना से कुछ घंटे पहले ही वह हरिद्वार के लिए रवाना हुआ था। पूछताछ के दौरान मां वंदना भी पुलिस को उलझाने का प्रयास कर रही थी। हरिद्वार से लौटकर शुक्रवार रात आए पवन से पुलिस ने पूछताछ की। उसने बताया कि मां वंदना ने पिता संजय द्वारा पूर्ति की हत्या करने की बात बताई थी। एसपी सिटी संजय कुमार ने बताया कि पूर्ति ने एक सोने की अंगूठी 20 हजार रुपये में बेची थी। इसी से घर का खर्च चल रहा था। 20 में से सात हजार रुपये बचे थे। संजय गुप्ता ये रुपये मांग रहा था। इसी को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। गुस्से में पूर्ति ने संजय को लात मार दी थी। बेटी की हत्या करने के बाद रोया आरोपी - रात में पिता संजय ने बेड पर सो रही बेटी पर चाकू से हमला किया था। हत्या के बाद संजय के रोने पर पत्नी वंदना ने चाकू को धोकर अलमारी में छिपा दिया था। संजय कोतवाली का हिस्ट्रीशीटर है। उसके ऊपर 16 मुकदमे दर्ज हैं। पैरालाइज का अटैक होने के बाद से वह अधिकतर समय बिस्तर पर रहता था। एसपी सिटी संजय कुमार ने बताया कि संजय के साथ ही पत्नी वंदना को भी जेल भेजा जाएगा।

जन दर्शन के दौरान सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा सैकड़ो लोगों से हुए रूबरू, सुनी उनकी समस्याएं, समाधान हेतू दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच -अरुण मिश्रा

सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने आज जन दर्शन कार्यक्रम के दौरान प्रात: 9 बजे से 1 बजे तक सांसद कार्यालय स्थानीय वैश्णवी गार्डन सीधी के विशाल सभागार में सैकड़ो आम जनों एवं पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से मिलकर क्षेत्र के विकास एवं क्षेत्र की समस्याओं को लेकर चर्चा की। सांसद जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि दूर दराज से आई हुई जनता जनार्दन ने अपनी समस्याओं को लेकर लिखित आवेदन भी दिया।

सभी आवेदनों को सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने स्वीकार करते हुए संबंधित विभागाध्यक्षो को त्वरित निराकरण हेतु लेटर लिखे और कुछ पत्र पत्रों के संदर्भ में दूरभाष पर चर्चा कर समस्याओं का निराकरण किया। क्षेत्र से आने वाली प्रमुख समस्याओं में विद्युत, जल, शिक्षा विषयों पर प्रमुख रूप से रही। सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने सभी को मुस्कुराते हुए गले से लगाए और उनका अभिनंदन किया। लोकसभा सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने इस दौरान कहा कि मेरा पल प्रतिपल क्षेत्र के विकास और जनता जनार्दन के कल्याण के लिए समर्पित है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जनपद अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार, डॉ राजकरण शुक्ला राज, जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, धर्मेंद्र शुक्ला, चंद्रशेखर शुक्ला, अजीत सिंह चंदेल, जितेंद्र तिवारी, दिनेश गुप्ता सहित सैकड़ो आमजन एवं पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बारिश का पानी जमीन के अंदर जाने से रोकती है प्लास्टिक की पन्नी : डॉ अनूप मिश्रा

क्यूँ न लिखूँ सच
अरुण मिश्रा

सीधी। गोपालदास बांध सफाई अभियान के लिए शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवी डॉ अनूप मिश्रा अपने सहयोगियों के साथ बांध में उतरे, जहाँ पर उन्होंने वहां पर जितनी भी प्लास्टिक की पन्नीयां थी, या अन्य सामग्री सबको बाहर निकाल लिए और सूखे हुए कचरे में आग लगाकर उसे समाप्त किया व अन्य जो गीला कचरा था उसे सभी के मदद से बांध के बाहर निकाला गया। इस अभियान के दौरान डॉ अनूप ने कहा कि बारिश का पानी जमीन के अंदर जाने प्लास्टिक की पन्नी रोकती है, जिससे जल का स्त्रोत नही बढ़ पा रहा है,
और अंत मे डॉ अनूप ने सभी को संकल्प दिलाया कि हम सब जल जंगल जमीन के संरक्षण के लिए तत्पर है और ग्रीन सीधी क्लीन सीधी के अभियान से करेगे सीधी का कायाकल्प। इस मुहीम में आर. जे. पटेल इन्द्रवती नाट्य समिति के सचिव नीरज कुन्देर, राकेश

जायसवाल, अतुल भारती, विकाश भारती, अभिषेक भारती, मनोज मिश्रा, राजेंद्र जायसवाल, अजीत सिंह लल्ला, डॉ मनोज सिंह, डॉ विशाल वाधवानी, गंगा गुप्ता, भूरा तिवारी जी, संजय सोनी, महेंद्र सिंह, सुनील कुशवाहा, नीरज पाण्डे, अशोक शुक्ला (लेखा अधिकारी), देवेंद्र मिश्रा , आशुतोष मिश्रा एडवोकेट सीधी, प्रयास उपाधाय, धीरज कुमार सोनी, वीरेंद्र गुप्ता , पप्पू गुप्ता, संजीव कुमार वर्मा, पंकज दुवेदी, सौरव सिंह, पुनीत नारायण शुक्ला, धनेश गुप्ता, रंजीत कुमार गुप्ता, अजीत कुमार रजक, संजू तिवारी, अरुण सिंह पिंटू, राम नरेश सिंह, योगेंद्र प्रसाद तिवारी, अमित पाण्डे, दीपक सिंह वैश्य, रजनीश कुमार जायसवाल एवं बाबूलाल कुन्देर जी ने श्रमदान किया।

पत्नी के आत्महत्या करने के बाद पति का शव रेल पटरी पर मिला; खौफनाक कदम उठाने की वजह साफ नहीं

ललितपुर शहर के मोहल्ला शिवधाम कालोनी निवासी स्वाति (24) पत्नी सोनू शुक्रवार की देर रात अपने कमरे में फंदे पर लटकती मिली। पति सोनू अपने भाई के साथ उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचा। यहां चिकित्सक ने स्वाति को मृत घोषित कर दिया। सोनू ने अपने भाई को यह कहते हुए घर भेज दिया कि वह परिवार वालो को सूचित कर दे। जिसके बाद सोनू का भाई स्कूटी लेकर घर चला गया। इस बीच सोनू अस्पताल से दौड़ लगाकर चला गया। शनिवार की सुबह सोनू का शव रेलवे स्टेशन के पास नया मालगोदाम के पास पटरी पर पड़ा मिला। मृतक परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

Children should celebrate Father's Day with their father at these places, the fun will be doubled

Father's Day is celebrated on the third Sunday of June. This time Father's Day is being celebrated on 16 June. This day is dedicated to fathers. The relationship between a child and a mother is considered unbreakable and the most sacred, although people often ignore

the affection, sacrifice and dedication of a father. Through Father's Day, fathers are honored for their sacrifice, concern and affection hidden behind their strictness and every man in the form of a father is respected. On the occasion of Father's Day, children try to make their father feel special. That is why they arrange a feast for their father, give gifts or do something that can express their feelings. This time, the day after Father's Day is Eid-ul-Azha holiday. In such a situation, you will get two to three days off by combining the weekend and the festival. Take advantage of this holiday and go on a trip to some beautiful place to spend memorable time with your father. Here we are telling you about some fun and relaxing places to celebrate Father's Day, where father and son or daughter can relive their childhood. Haridwar - You can go on a road trip with Papa. Haridwar is just a few kilometers away from Delhi, where you can go by driving with your parents. This kind of trip will be within budget as well as fun. In the summer season, sit here on the banks of Ganga and talk peacefully in the evening. Take a dip in the clean and cool water of Ganga. Visit the nearby tourist places and temples. Mussoorie - If you want to go to a hill station, then go to Mussoorie. You will be able to celebrate summer holidays and also celebrate Father's Day here. In Mussoorie, you can visit places like Camptifall, Dalai Hills, Mall Road, Surkanda Mata Temple, Dhanaulti. Adventure Island - If you don't have much holidays and cannot go out of the city, then you can go to any water park or adventure island in your city. You can enjoy different types of rides, slides and food in Adventure Island. Nainital - You can also visit Nainital with Papa. In a two-day vacation, a trip to Nainital can be made exciting as well as entertaining. You can get a bus or taxi from Kathgodam to go to Nainital. If you want, you can go on a road trip by driving yourself. Go out for a walk with Papa here in the evening and remind Papa of his and your childhood.

Do you often have jaundice and itching of the skin? Are you suffering from liver cirrhosis?

Liver diseases are increasing rapidly year after year. Even young people are falling prey to it. Our liver helps in processing blood, breaking down nutrients and balancing them. However, due to lifestyle and dietary disturbances, there can be a risk of many liver-related problems. Liver cirrhosis is one such serious condition which, if not taken care of in time, can lead to liver failure. Liver cirrhosis is a serious stage of liver disease, in which healthy tissues gradually start getting

is a growing problem globally. In case of chronic hepatitis infection, the risk of liver cirrhosis has been seen to be higher. Its symptoms are similar to many other health problems, which is why people pay less attention to it in the beginning. Let us know on the basis of which symptoms this problem can be diagnosed? It is important to pay serious attention to the signs of liver cirrhosis. Do you also often suffer from jaundice? The problem of frequent jaundice is considered to be a sign of liver related diseases. In case of a problem in the liver or its not functioning properly, the liver is unable to remove an element called bilirubin from the body properly. Due to increased levels of bilirubin, you start seeing yellowness in the eyes and skin, which is called jaundice. If you often have jaundice, then definitely consult a health expert about this. This can be a sign of serious liver diseases. Skin related problems - Due to liver diseases, the risk of skin related problems also increases. Due to liver cirrhosis, you often have itching in the skin. Due to liver cirrhosis and other liver diseases, the level of bile increases which starts accumulating under the skin. This can cause frequent itching of the skin. If you often have jaundice and skin related problems, then it is important to pay serious attention to it. It is also important to know about these symptoms of liver cirrhosis - Due to problems in the functioning of the liver or serious diseases like cirrhosis, you start having many types of problems apart from jaundice, pruritus (itching of the skin). It is also important to pay attention to these signs. Dark urine color. Digestive difficulties, especially difficulty in digesting fatty foods. Small yellow spots of fat appear on the skin or eyelids. Weight loss and loss of muscle mass without effort. Hepatic encephalopathy (confusion, mood swings). Motor dysfunction (difficulty in muscle control, cramps) Problem of irregularity in menstrual cycle.

Who can donate blood, who cannot? It is very important for you to know these four things

Blood donation is called Mahadaan. In critical situations like accident, surgery, blood donation is required to save the life of the patient. Hospital reports show that unfortunately about 12,000 patients die every day in India due to not getting blood on time. The country needs 15 million (1.5 crore) units of blood annually, however only 10 million (one crore) units are obtained through blood donation camps and other means. Health experts say, if arrangements are not made to fill this gap in time, then its consequences can be dire. World Blood Donor Day is celebrated every year on 14 June all over the world with the aim of promoting blood donation and making people aware about blood donation. Health experts say, the main reason for the decrease in blood donation is many types of fear and myths in the minds of people regarding donation. It is very important for you to know about these questions related to blood donation. Donating blood can weaken the immune system. People often have this question in their minds regarding blood donation that does donating blood cause weakness? However, health experts call it wrong information. In the process of blood donation, mainly red blood cells are removed which are naturally produced again by the body within a few days. However, it may take a few weeks for the level of white blood cells to return to normal. But this temporary decrease in white blood cells does not significantly affect the functionality of the immune system. Donating blood does not cause weakness. People with tattoos or piercings cannot donate blood. Health experts say that one should wait for a period of three months to donate blood after getting a tattoo. But only if the tattoo is done from a government-licensed tattoo parlor. Individuals who have had piercings can donate blood without any problem, provided the equipment used during piercing is single-use. It is better that you wait at least three months after getting a tattoo or piercing. Women cannot donate blood - Anyone can donate blood, be it a woman or a man. However, if the woman's haemoglobin level is low or she is suffering from anaemia, then donating blood is not considered suitable. To donate blood, the donor should have 12.5 grams of haemoglobin per deciliter, less than this makes them ineligible. If you are healthy and the amount of blood in the body is normal, then you can donate blood. It is not true that you can donate blood only once a year. After blood donation, it takes up to 8 weeks for the blood cells to be replenished. After this, it is safe to donate blood again. The American Red Cross advises that a person can donate blood every 56 days. Blood can be donated three to four times in a year.

Struggles have not left her till date, pain is hidden behind her smile, know the journey of Kiran Kher

Actress Kiran Kher is celebrating her birthday today. Kiran Kher has waved her flag from acting to politics. Apart from this, she has also shone in the world of sports. Kiran Kher is as talented and successful as her struggle. Struggles have not left her till date. Let us know the journey of Kiran Kher who won hearts with her powerful acting in many films including 'Devdas', 'Khamosh Pani', 'Main Hoon Na', 'Veer-Zara' and 'Rang De Basanti'... Kiran Kher was born on 14 June 1952 in Chandigarh, Punjab in a Sikh family. Kiran has completed her graduation from Chandigarh itself. If she were not an actress today,

she would have been a successful badminton player. Kiran Kher has been a good badminton player. She has played badminton at the national level with Deepika Padukone's father Prakash Padukone. But, fate had something else in store for her. After completing her studies, Kiran's inclination grew towards acting and she thought of making a career in this direction. Kiran joined theatre in Chandigarh. After theatre, Kiran Kher started her career in the year 1973 with the Punjabi film 'Asar Pyar Da'. After this, she was looking for a role in Bollywood. During those days, Sunil Dutt was looking for a fresh face. His search ended on Kiran Kher. But, due to some financial crisis, the film was shelved. But, Kiran Kher did not give up. She came to Mumbai in 1980 and started looking for work and was successful. Kiran Kher worked in many films. She has also been awarded the National Award. Kiran Kher has also appeared as a judge in TV reality shows. The pair of Kiran Kher and Anupam Kher is considered an ideal pair in Bollywood. Both were good friends in the beginning. However, there was no love. Anupam Kher was also in the same theatre group that Kiran Kher was associated with. Both did many plays together. Perhaps at that time, neither of them knew that they would become husband and wife, because both were already married. Anupam Kher had an arranged marriage in 1979, but he was not happy in this relationship. Kiran was married to a Mumbai businessman Gautam Beri in 1980, which lasted only five years. After Chandigarh, both Kiran Kher and Anupam Kher were struggling in Mumbai. It was here that they realized love. Anupam Kher had divorced his wife. Kiran Kher and her husband also understood that their marriage would not last and both got divorced. Kiran married Anupam in 1985. Kiran has a son Sikandar from her first marriage, who is active in the acting world. Coming out of a failed marriage, she got the support of Anupam Kher. Life came back on track a little. But, after some time Anupam Kher suffered financial loss. During this time, Kiran Kher came forward to handle the family's situation. She made a comeback in films and her hard work paid off. Kirron Kher, apart from being a successful actress, has also been active in politics. She has been an MP from Chandigarh. She joined BJP in 2009. She won the Lok Sabha elections from Chandigarh in 2014 and 2019. This time she did not contest the Lok Sabha elections. As strong as Kirron Kher's intentions have been, life is testing her to the same extent. The actress is battling blood cancer. Her battle with cancer is still going on. There is full hope that she will be successful in defeating cancer.

Stars gathered at the trailer launch of 'Kill', Lakshya Lalwani said - it took nine years to fulfill the dream

The trailer of Dharma Production's new film 'Kill' has been released. This film is quite different from the rest of Dharma's films, because it is going to have a lot of action. Lakshya Lalwani is making his debut with this film. His glimpse has been seen many times in the trailer. Many people associated with the film attended the trailer launch event of 'Kill', including Karan

Johar, Guneet Monga, Achin Jain, Laksh Lalwani, Raghav Juyal and Tanya Maniktala. 'Kill' is directed by Nikhil Bhatt. Talking about him, filmmaker Karan Johar said that he is of a very calm nature. You cannot find out what is going on in his mind. Looking at him, it seems that he cannot even kill a fly. Let us tell you that Nikhil has also directed Brij Mohan Amar Rahe, Apoorva and Huddang before this. While talking to the media during the program, Laksh Lalwani said that he has been in Mumbai for nine years. His dream was to work with Dharma Productions one day and now after nine years his dream has

come true. Laksh also thanked Karan Johar and Guneet Monga for this. He said that I do not have words to say right now. I am thankful to God. Raghav Juyal also thanked Karan Johar and Guneet Monga for giving him the opportunity to work in the film. He said that he had come to Mumbai by train to become a dancer and now he is getting an opportunity to work in films, so this is like a bonus for him. At the same time, actress Tanya Maniktala, who is playing the lead female character in the film, said that her excitement increased as soon as she read the story of the film. After reading the script, her first question was when will the shooting of the film start.

Kate was a victim of body shaming after 'Titanic', the actress said - it took me years to recover

Hollywood's beautiful and talented actress Kate Winslet is famous for her outspokenness apart from acting. She often gives her opinion on topics like gender discrimination and body shaming. In a recent interview talking openly about the body know how Kate got herself out seen in James Cameron's excited about this project. happy to see the actresses seemed happy with Winslet continues her talk of 1998. Today actresses are shaming. I am happy with this blockbuster romantic-tragedy Titanic, I was body shamed a and its effect remained with Talking about today's era, bodies cannot be openly this freedom. In our era, we

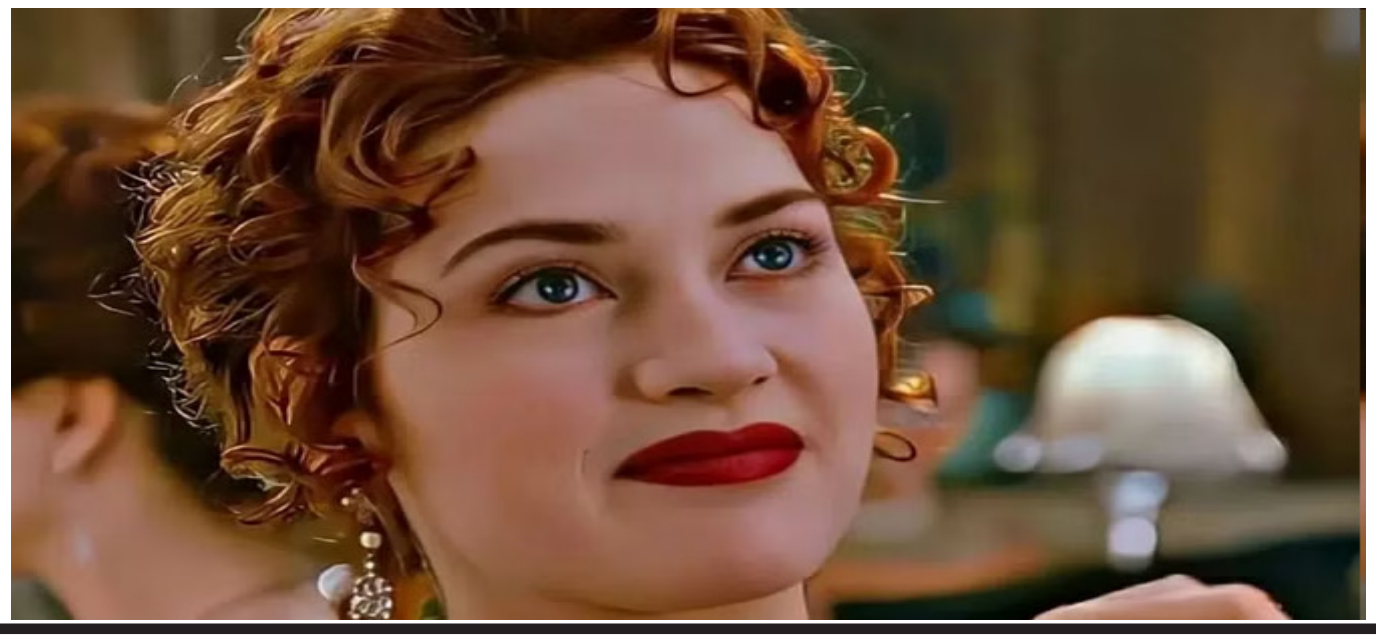

given to Variety magazine, the actress was seen shaming she faced during the days of 'Titanic'. Let's of that difficult phase-- Kate Winslet is going to be upcoming film 'Avatar 3'. The actress seems very During an interview recently, she said, 'I was very present at the Met Gala this year. Everyone there themselves and satisfied with their bodies'. Kate and says, 'Today's era is very different from the era free about their bodies. They do not have to face body change. Kate Winslet became a global star after the 'Titanic'. Recalling those days, the actress says, 'After lot. My body was openly commented on in the media me for many years. I was very affected by this.' Kate Winslet says, 'Now actresses know that their commented on in the media and they are able to feel did not have this freedom.'